नई दिल्ली ■ गुरुवार 29 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 302 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बजट 2026-27 से जुड़े पूर्वानुमान | 07 सूर्यकुमार आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर | समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी : भूमि पेडनेकर 08

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत 5 लोगों की विमान दुर्घटना में मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई। हादसा बारामती के हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान हुआ। दुर्घटना के बाद घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त और जला हुआ दिखाई दिया।

इस हादसे में कुल पांच लोगों की मृत्यु हुई है। इनमें अजित पवार के साथ उनके अंगरक्षक विदीप जाधव, फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली, पायलट कैप्टन सुमित कपूर तथा कैप्टन शांभवी पाठक शामिल हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि विमान लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) आज सुबह बारामती एयरपोर्ट पर क्रैश लैंड हो गया। विमान में पांच लोग सवार थे, जिनमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्रीअजीत पवार के साथ दो और लोग (एक पीएसओ और एक

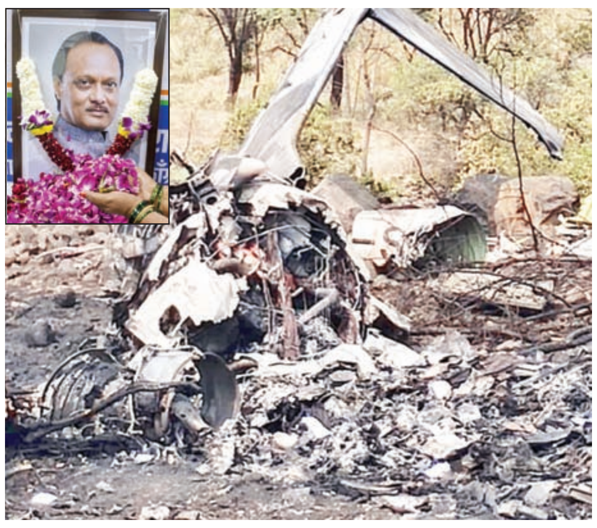

अटेंडेंट) और 2 क्रू मेंबर शामिल थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा है।

बताया जा रहा है कि जिला परिषद चुनावों के मद्देनजर अजित पवार की बुधवार को बारामती में चार जनसभाएं प्रस्तावित थीं। इन्हीं कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए वे मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। विमान जब बारामती में उतरने की प्रक्रिया में था, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अजित पवार जिस विमान से यात्रा कर रहे थे वह बॉम्बार्डियर कंपनी का लियरजेट-45 श्रेणी का था।

“महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित पवार जी का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। मैं उनके परिवार, समर्थकों एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर इस दुर्घटना में मारे गए अन्य सभी लोगों के परिवारों को भी इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। - **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

“अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ तथा गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने के प्रति उनका समर्पण भी उल्लेखनीय था। उनकी असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। उनके परिवार और उनके असंख्य समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। - **नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को भरोसे से देख रही है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) केवल एक संगठन नहीं, बल्कि ऐसा आंदोलन है जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को बड़े भरोसे से देख रही है और इसका कारण उनके कौशल, मूल्य और संस्कार हैं।

प्रधानमंत्री बुधवार को दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित कर रहे थे। एनसीसी दिवस के अवसर पर कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, झांकी कलाकारों, राष्ट्रीय रंगशाला से जुड़े साथियों और देशभर से आए युवाओं के समन्वित प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तुतियों में युवाओं की ऊर्जा और अनुशासन साफ दिखाई देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीसी की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं को न केवल परेड और अनुशासन सिखाता है, बल्कि जिम्मेदारी के साथ जीना भी सिखाता है। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है, जिसमें सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस वर्ष बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स की भागीदारी की विशेष रूप से सराहना करते हुए उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी युवाओं के लिए ऐसा मंच है, जहां हमारी विरासत को गर्व के साथ जिया जाता है। उन्होंने देशभर में ‘वंदे मातरम्’ के 150 वर्ष पूरे होने के उत्सव का उल्लेख किया। साथ ही, परमवीर सागर यात्रा का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा था और एनसीसी कैडेट्स ने इस भावना को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय नायकों के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। लक्षद्वीप में आयोजित आइलैंड फेस्टिवल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां समुद्र, संस्कृति और प्रकृति को एक साथ मनाया गया।

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत्त होने पर रेलवे अधिकारियों को नहीं मिलेंगे गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने सेवानिवृत्त होने वाले रेलवे अधिकारियों को गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल प्रदान करने की परंपरा को समाप्त कर दिया है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड ने बुधवार को एक सर्कुलर जारी कर सभी जोनल रेलवे, उत्पादन इकाइयों और संबद्ध कार्यालयों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति की स्वीकृति से यह निर्णय लिया गया है कि सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारियों को गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल देने की प्रथा अब बंद की जाए। सर्कुलर के अनुसार, रेलवे के पास पहले से उपलब्ध या खरीदे जा चुके सिल्वर मेडल का लेखा-जोखा किया जाएगा और उन्हें अन्य उपयुक्त गतिविधियों में उपयोग किया जाएगा। हालांकि सर्कुलर में इस निर्णय के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।

निर्वाचन आयोग ने तृणमूल को दिया समय, दो फरवरी को दिल्ली बुलाया

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया है। आयोग ने पार्टी को आगामी 2 फरवरी शाम चार बजे दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। कोलकाता स्थित नबान्न सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को दिल्ली जाएंगी। उनके साथ पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित कई सांसद मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कथित परेशानियों के कारण मृत लोगों के परिवार के कुछ सदस्य भी तृणमूल प्रतिनिधिमंडल में शामिल हो सकते हैं।

गुरुग्रामः 4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के चार बड़े स्कूलों को आज सुबह आधिकारिक ई-मेल आईडी पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वायड दस्ता सक्रिय हुआ और स्कूलों में पहुंचकर जांच शुरू की। गुरुग्राम पुलिस, एसडीआरएफ और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी एजेंसीज स्कूलों में जांच के लिए पहुंची हैं।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए का छापा, आपत्तिजनक सामग्री जब्त

कोच्चि। एनआईए ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एकसाथ बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान एजेंसी ने कई डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। एनआईए ने बताया कि कुल नौ स्थानों पर तलाशी ली गई। यह कार्रवाई 2022 में दर्ज मामले से जुड़ी है, जिसमें पीएफआई पर हिंसक जिहाद फैलाने और 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करने की साजिश का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा यूजीसी का ‘इक्विटी’ विवाद, कोर्ट ने जल्द सुनवाई की दी सहमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हाल ही में नोटिफाइड नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए लिस्ट करने पर सहमति जताई।

ये नियम उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के मकसद से बनाए गए हैं, लेकिन याचिकाकर्ता ने शिकायत निवारण तंत्र से सामान्य वर्ग के छात्रों को बाहर रखने पर चिंता जताई थी। जब यह याचिका मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने आई तो उन्होंने कहा कि हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि कमियों को दूर किया जाए। ये नियम यूजीसी के उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के लिए विनियम, 2026 के तहत आते हैं। इस नियम को 13 जनवरी को नोटिफाइड किया गया था और ये देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू होते हैं।

बीटिंग रिट्रीट में गूंजेंगे विविध धुन

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के समापन समारोह के प्रतीक ‘बीटिंग रिट्रीट’ समारोह के दौरान गुरुवार को विजय चौक विविध धुनों से गूंजेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनता के समक्ष भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बैंड इन धुनों की प्रस्तुति देंगे।

समारोह की शुरुआत ‘मैस्ड बैंड’ द्वारा ‘कदम कदम बढ़ाए जा’ धुन के साथ होगी। इसके बाद ‘पाइप्स एंड ड्रम्स’ बैंड ‘अतुल्य भारत’, ‘वीर सैनिक’, ‘मिली जुली’, ‘झेलम’ आदि मधुर धुनों की प्रस्तुति देगा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ‘विजय भारत’, ‘हथरोही’, ‘जय हो’ और ‘वीर सिपाही’ की धुन प्रस्तुत करेंगे। भारतीय वायु सेना के बैंड द्वारा बजाई जाने वाली धुनों में ‘ब्रेव वॉरियर’, ‘ट्वाइलाइट’, ‘अलर्ट’ और ‘फ्लाइंग स्टार’ शामिल हैं, जबकि भारतीय नौसेना का बैंड ‘नमस्ते’, ‘सागर पवन’, ‘मातृभूमि’, ‘तेजस्वी’ और ‘जय भारती’ बजाएगा।

इसके बाद भारतीय सेना का बैंड ‘विजयी भारत’, ‘आरंभ है प्रचंड है’, ‘ऐ वतन, ऐ वतन’, ‘आनंद मठ’, ‘सुगम्य भारत’ और ‘सितारे हिंद’ जैसी धुनें पेश करेगा। इस प्रस्तुति के बाद ‘मैस्ड बैंड्स’ द्वारा ‘भारत की शान’, ‘वंदे मातरम’ और ‘ड्रर्मस कॉल’ की धुनें बजाई जाएंगी, जबकि कार्यक्रम का समापन बिगुल वादकों द्वारा बजाई जाने वाली सदाबहार और लोकप्रिय धुन ‘सारे जहाँ से अच्छा’ के साथ होगा। समारोह के मुख्य संचालक स्क्वाड्रन लीडर लीमापोकपम रूपचंद्र सिंह होंगे। भारतीय सेना के बैंड का संचालन सूबेदार मेजर प्रकाश जोशी करेंगे, जबकि एम एंटनी और वारंट ऑफिसर अशोक कुमार क्रमशः भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के बैंड का संचालन करेंगे।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बैंड का संचालन इंस्पेक्टर चेतराम करेंगे। ‘पाइप्स एंड ड्रम्स’ बैंड का निर्देशन सूबेदार एसपी चौरसिया करेंगे, जबकि बिगुल वादकों का नेतृत्व सूबेदार मनोज कुमार करेंगे। गौरतलब है कि इस वर्ष, समारोह के लिए विजय चौक पर बैठने के बाड़ों के नाम बांसुरी, डमरू, एकतारा, इसराज, मृदंगम, नगाड़ा, पखावज, संतूर, सारंगी, सारिंदा, सरोद, शहनाई, सितार, सुरबहार, तबला और वीणा जैसे भारतीय वाद्ययंत्रों के नाम पर रखे गए हैं।

साइबर अपराधियों ने तीन लोगों को बनाया शिकार, एक करोड़ 22 लाख की ठगी

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों को साइबर अपराधियों ने अपना शिकार बनाया। अपराधियों ने शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के नाम पर दो लोगों से एक करोड़ 20 लाख रुपए की ठगी कर ली, जबकि एक व्यक्ति से साइबर अपराधियों ने ई- चालान के नाम पर एक लाख 19 हजार रुपए ठग लिया।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बुधवार को बताया कि सेक्टर 14 में रहने वाले योगेंद्र गहतोहरी 67 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति हैं। उन्होंने बीती रात को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुछ दिन पूर्व उनके पास एक व्यक्ति का मैसेज आया। उसमें उनसे शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के लिए कहा गया था। मैसेज में दिए गए नंबर पर जब उन्होंने संपर्क किया तो उनसे आरोपित ने कहा कि अगर वह शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करते हैं तो उन्हें मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित के अनुसार आरोपितों ने अपने जाल में फंसाकर उनसे एक ऐप डाउनलोड करवाया तथा शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करवाना शुरू कर दिया। शुरुआती दौर में उन्हें कुछ फायदा हुआ। धीरे-धीरे आरोपियों ने उनसे अपने विभिन्न खातों में 82 लाख 52 हजार 927 रुपये इन्वेस्ट करवा लिया। ऐप पर उन्हें अपनी रकम काफी बढ़ी हुई दिखाई दे रही थी। जब उन्होंने रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने टैक्स आदि के नाम पर उनसे लाखों रुपए की मांग की। तब उन्हें साइबर ठगी का एहसास हुआ। अपर उपायुक्त ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में सेक्टर 49 में रहने वाले जोधा भट्टाचार्य ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस मामले में भी साइबर अपराधियों उपरोक्त तरीका अपनाते हुए अपने विभिन्न खातों में 35 लाख 37 हजार रुपये डलवा लिये। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी तरह एक अन्य मामले में एक व्यक्ति ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 15 -ए में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज भेजा तथा कहा कि उनके वाहन का ई- चालान हुआ है। उन्होंने उनकी बात पर विश्वास कर लिया, तथा मैसेज में दिए गए लिंक के माध्यम से उन्होंने एप खोला तो उनके वाहन का चालान उस पर दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने अपने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पेमेंट किया साइबर अपराधियों ने उनके खाते से एक लाख 19 हजार 417 रुपए निकाल लिये। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा। थाना फेस -2 क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस -2 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि महेश प्रसाद उम्र 40 वर्ष बीती रात को सेक्टर 81 के पास पैदल जा रहे थे, तभी एक अज्ञात कार चालक ने तेजी से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस घटना में वह उछलकर सड़क किनारे लगे डिवाइडर से जा टकराये। उनके सिर में गंभीर चोट आई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए भंगेल स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि गेझा गांव के पास बीती रात को पैदल जा रहे एक 32 वर्षीय अज्ञात युवक को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी । अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पास से कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है जिससे उसकी पहचान की जा सके। पुलिस सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

नारे, रैली और गीतों से गूंजा नोएडा, समग्र शिक्षा अभियान ने जगाई शिक्षा की अलख

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक व्यापक अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से बालिका शिक्षा के संवर्धन, निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल शिक्षा के प्रसार तथा डीबीटी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र भूषण प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह जनजागरूकता अभियान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार के पर्यवेक्षण में तथा विनय प्रकाश सिंह, जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान में कम्पोजिट विद्यालय मोरना, विकास खंड बिसरख के छात्र-छात्राओं ने रैली, नारे और गीतों के माध्यम से सक्रिय सहभागिता निभाई, जिससे पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बना। कार्यक्रम के संचालन में विद्यालय की सुगमकर्ता अंजू राठौर एवं शहिन का विशेष योगदान रहा। वहीं ब्लॉक नोडल (बालिका शिक्षा) अर्चना पांडेय ने विकास खंड स्तर पर गतिविधियों का समन्वय कर अभियान को सुव्यवस्थित रूप दिया।

रैली के दौरान निपुण भारत मिशन, बाल वाटिका, बालिका शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, डीबीटी के माध्यम से मिलने वाले लाभ तथा विद्यालयों में उपलब्ध निःशुल्क शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी आमजन को दी गई। कार्यक्रम में सुरक्षा, अनुशासन और स्थानीय स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। अभियान ने न केवल शिक्षा के प्रति सामाजिक चेतना को मजबूत किया, बल्कि सरकारी शैक्षिक योजनाओं से जनमानस को जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

डिलीवरी ब्वॉय सहित दो युवकों ने की आत्महत्या, मानसिक अवसाद से थे पीड़ित

नोएडा। थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के निठारी गांव में रहने वाले एक डिलीवरी बॉय ने मानसिक तनाव के चलते बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उसके दो दोस्तों ने उपचार के लिए उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी मौत हो गई। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बुधवार को बताया कि आकाश पुत्र विनोद कुमार उम्र 19 वर्ष निठारी गांव में रहता था।

वह डिलीवरी बॉय का काम करता था। बीती रात को मानसिक तनाव के चलते उसने अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उसके दोस्त अरमान और

अविनाश ने उसे गंभीर हालत में फंदे से उतारकर उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लग रही है। एक अन्य मामले में खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले जितेंद्र उम्र 28 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर आज जहरीला पदार्थ खा लिया।

उसे अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां से उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार ने मारी स्कूटी में टक्कर, एक की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 47 की लाल बत्ती के पास बुधवार की शाम को एक स्कूटी चालक को कार ने टक्कर मार दी। इस घटना में स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि संजय सिंह (27) पुत्र ज्ञान सिंह निवासी सेक्टर 45 बुधवार की शाम को स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे, तभी सेक्टर 47 के पास एक कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के चलते कुछ देर तक यातायात बाधित हो गया था, जिसे पुलिस ने सुचारू रूप से चालू कर दिया है।

बी-टेक के छात्र को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले हॉस्टल के दो वार्डन गिरफ्तार

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने एक हॉस्टल में बीटेक छात्र की आत्महत्या करने के मामले में वांछित दो वार्डन को आज गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्होने छात्र को आत्महत्या के लिए मजबूर किया था। छात्र के कथित तौर पर शराब पीकर हॉस्टल पहुंचने पर डांट-फटकार और अपमानजनक वीडियो बनाए जाने से आहत होकर उसने हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि यह घटना 23 जनवरी की रात घटी, जब बी-टेक द्वितीय वर्ष के छात्र उदित सोनी ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। आरोप है कि हॉस्टल प्रबंधन ने छात्र के शराब पीकर हॉस्टल पहुंचने पर उसे न केवल डांटा, बल्कि उसका वीडियो बनाकर उसके पिता को भेज दिया। इस अपमान और मानसिक दबाव से परेशान होकर छात्र ने यह

गंभीर कदम उठाया। घटना के बाद हॉस्टल में छात्रों ने जमकर हंगामा किया, तोड़फोड़ की और कई छात्रों ने हॉस्टल छोड़कर जाने का निर्णय लिया। घटना के संबंध में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पूर्व में गिरफ्तार किए गए दो वार्डनों के अलावा बीती रात को पुलिस ने सुधांशु उर्फ शेखर, जो ठाकुरबाडी, बक्सर, बिहार का निवासी है, और रोहित भाटी, जो कमराला चक्रसेनपुर का निवासी है, को गिरफ्तार किया है।

यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक कल होगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 30 जनवरी को होगी। अधिकारियों ने विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर लिए हैं। इस बार हाथरस, नए आगरा और हेरीटेज सिटी के मास्टर प्लान को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। सीईओ आरके सिंह ने बताया कि बैठक में आवंटियों और किसानों से संबंधित और नीतिगत प्रस्ताव रखे जाएंगे। खास तौर पर नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने से औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर है। इस वर्ष के अंत तक प्राधिकरण ने शहर में करीब 180 कंपनियों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा फेज-2 के तहत हाथरस, आगरा, अलीगढ़ व मथुरा जिले के अधिसूचित क्षेत्र में भी विकास कार्यों को पूरा किया जाना है। बोर्ड बैठक की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-126 थाना की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने गिरोह के तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की गई कुल पांच मोटरसाइकिलें, बाइक के पार्ट्स, चोरी में प्रयुक्त औजार और मास्टर चाबियां बरामद की हैं। बरामद मोटरसाइकिलें दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों से चोरी की गई थीं। पुलिस के अनुसार, रायपुर की ओर जाने वाले पुस्ता रोड पर बुधवार को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन व्यक्तियों को रोका गया। पूछताछ और जांच के दौरान उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं,

जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जितेंद्र उर्फ जीतू, शालू और फिरोज खान के रूप में हुई है। अभियुक्तों के कब्जे से मौके पर ही चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जबकि उनकी निशानदेही पर तीन अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें, इंजन, चैसिस, पेट्रोल टैंक, एलॉय व्हील सहित अन्य पार्ट्स बरामद किए गए। इसके साथ ही चोरी की घटनाओं में इस्तेमाल दो मास्टर चाबियां, एक हथौड़ा और एक नुकीला पेचकस भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि ये गैंग संगठित गिरोह के रूप में एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य पहले रात के समय पार्किंग स्थलों, कॉरपोरेट ऑफिसों, स्कूलों और सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे। इसके बाद मास्टर चाबियों की मदद से मोटरसाइकिलों का लॉक खोलकर उन्हें चोरी कर लिया जाता था। चोरी के बाद पहचान छिपाने के लिए इंजन और चेसिस नंबर घिसकर मिटा दिए जाते थे और फर्जी नंबर अंकित कर दिए जाते थे।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्त फिरोज खान मोटरसाइकिलों की मरम्मत में माहिर है, जो चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके पार्ट्स अलग-अलग कर देता था और उन्हें बाजार में बेचने की व्यवस्था करता था। अभियुक्तों के खिलाफ पहले से ही विभिन्न जनपदों में दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

मोबाइल फोन छीनने वाला बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने बुधवार को सेक्टर-57 के पास से मोबाइल फोन छीनने वाले एक शातिर बदमाश को दबोच लिया। आरोपी के पास से छिनैती के दो मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद हुआ है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। तभी सेक्टर-57 में एक संदिग्ध दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगे। टीम ने पीछा करके दबोच लिया। उसकी पहचान जिला मिर्जापुर के हीरापुर गांव निवासी समीर उर्फ अंशुल द्विवेदी के रूप में हुई। वह वर्तमान में सेक्टर-63 क्षेत्र स्थित छिजारसी गांव में किराए पर रहता है। तलाशी ली तो उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह राहगीरों से मोबाइल फोन छीनना है। बरामद दोनों फोन भी राहगीरों से छीने हुए हैं। आरोपी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में 18 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

तालकटोरा स्टेडियम में ग्रेनो के कराटे खिलाड़ियों का जलवा, यूपी टीम को दिलाई ओवरऑल ट्रॉफी

ग्रेटर नोएडा/नई दिल्ली। दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में 23 से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित तीसरी एआईकेएफ प्रेसिडेंट कप – ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2026 में ग्रेटर नोएडा

के खिलाड़ियों का शानदार दबदबा देखने को मिला। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ग्रेटर नोएडा के 40 खिलाड़ियों का विभिन्न आयु वर्गों में चयन हुआ, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश टीम को ओवरऑल ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ये सभी खिलाड़ी ब्रिगेड मार्शल आर्ट्स अकादमी के छात्र हैं। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे मुख्य कोच शिवालक राज का मार्गदर्शन रहा, जबकि सह-कोच सेंसेई दिलीप कुमार और सेंपाई सर्वोदय कुमार का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। पूरी टीम का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन सेंसेई रजनीश कुमार की देखरेख में किया गया।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर सहित कई राज्यों से करीब 1100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

स्वर्ण पदक विजेताः अनु सोलंकी, देवांश तिवारी, अनु ठाकुर, जाहनवी , आदर्श मौर्या, अध्विक अरोड़ा, तेजस्वी (काटा व कुमिते), नौक्षित

रजत पदक विजेताः रुद्रांश राज, तक्ष्वी त्रिपाठी, युवराज, नविज्ञा सोम, आयुष रावल

कांस्य पदक विजेताः कैरवी झा, गरिमा सिंह, आरुषि शर्मा, प्रभांशु , पर्णिका , अक्षिता , सर्वोदय , ख्याति सिंह, किशोरी पुनिया, दृष्ण दिनेश कुमार, खुशी सागवान, तनुषा नाहा, फरहान म, अदिति सिंह, वंश नगर, प्रियांश भाटी

प्रतियोगिता से ग्रेटर नोएडा लौटने पर सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का मिठाई खिलाकर जोरदार स्वागत किया गया। खिलाड़ियों की इस सफलता से अभिभावकों में खुशी की लहर है। साथ ही, खिलाड़ियों को उनके-अपने विद्यालयों में प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों से सम्मान और आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

दिल्ली

PWD दिल्ली में धूल मुक्त चार 'आदर्श सड़कें' विकसित करेगा

नई दिल्ली। दिल्ली की आबोहवा को धूल मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने राष्ट्रीय राजधानी के चार प्रमुख मार्गों को 'आदर्श सड़क' के रूप में विकसित करने का फैसला लिया है। अधिकारियों का दावा है कि ये सड़कें पूरी तरह से धूल मुक्त होंगी। यह प्रायोगिक परियोजना वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 160 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के पुनर्विकास की पीडब्ल्यूडी की एक व्यापक योजना का हिस्सा है।

अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के लिए चार विशिष्ट सड़कों की पहचान की जाएगी, जहां गड्ढों की मरम्मत, पूरी सड़क को पक्का करने तथा वहां हरियाली बढ़ाने का काम किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा, "अगर यह परियोजना सफल होती है, तो इसे दिल्ली की अन्य सड़कों पर भी लागू किया जाएगा। सड़कों की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है। इन्हें पक्का किया जाएगा और धूल कम करने के अन्य उपाय लागू किए जाएंगे।" दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस महीने की शुरुआत में वायु प्रदूषण और सड़कों की धूल को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की थी। दिल्ली सरकार के मुताबिक, शहर की लगभग 3,300 किलोमीटर लंबी सड़कों को पुनर्निर्माण या उन्नयन की आवश्यकता है, जिसमें से लगभग 800 किलोमीटर सड़कें लोक निर्माण विभाग के अधीन हैं, 1,200 किलोमीटर नगर निगम के तहत आती हैं और लगभग 1,000 किलोमीटर अनधिकृत कॉलोनियों में हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस साल 160 किलोमीटर लंबी सड़कों को पक्का करने का लक्ष्य रखा गया है और व्यापक हरियाली कार्य के लिए 85.70 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग की पहचान की गई है।

उन्होंने बताया कि परियोजना की कुल लागत 400 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी इस प्रस्तावित परियोजनाओं के तहत सड़कों के किनारों और उसके डिवाइडर को पूरी तरह से पक्का करने के साथ-साथ वहां पेड़-पौधे लगाने का भी काम करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, "सड़कों की बार-बार खुदाई करने से बचने के लिए भूमिगत पाइप बिछाए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही निविदाएं की जाएंगी। इस कार्य को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।" अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी दो और परियोजनाओं पर काम शुरू करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहली परियोजना के तहत, सड़कों के लिए 70 सफाई मशीनें और पानी की टंकियां, जबकि दूसरी परियोजना के तहत, धूल को उड़ने से रोकने के लिए पानी छिड़कने वाली 250 मशीनें तैनात की जाएंगी।

गणतंत्र दिवस परेड 2026: दिल्ली पुलिस बनी बेस्ट मार्चिंग कंटिंजेंट, CRPF को पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड

30 जनवरी को दिल्ली कैंट के RR कैंप में रक्षा मंत्री करेंगे ट्रॉफी प्रदान

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ को प्रतिष्ठित सम्मान मिलने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय (सेरेमोनियल्स) द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, इस वर्ष की परेड में दिल्ली पुलिस मार्चिंग कंटिंजेंट को जजेस चॉइस कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। वहीं, सीआरपीएफ मार्चिंग कंटिंजेंट को पॉपुलर चॉइस कैटेगरी में बेस्ट मार्चिंग कंटिंजेंट चुना गया है। यह चयन गणतंत्र दिवस परेड में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) और अन्य सहायक बलों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि इन विजेताओं को सम्मानित करने के लिए ट्रॉफी वितरण समारोह 30 जनवरी दोपहर 12:30 बजे दिल्ली कैंट स्थित RR कैंप में आयोजित किया जाएगा।

इस समारोह में रक्षा मंत्री स्वयं सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग कंटिंजेंट्स और टेबलॉक्स को ट्रॉफी प्रदान करेंगे। मंत्रालय ने गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह दिल्ली पुलिस और CRPF की ओर से ट्रॉफी ग्रहण करने वाले अधिकारी का नाम तत्काल भेजे। साथ ही लगभग पांच अधिकारियों की सूची भी उपलब्ध कराने को कहा गया है जिन्हें इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाना है। इस कार्यक्रम के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से ओसडी (RR कैंप) शिव कुमार को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ का अनुशासन, तालमेल और प्रस्तुति हर वर्ष आकर्षण का केंद्र रहती है, और इस बार भी इनके प्रदर्शन को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

हाउस टैक्स व भवन उपनियम से राहत की पहल और गांवों के लिए अलग बजट का स्वागतः पंचायत संघ

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्षा श्रीमती सत्या शर्मा द्वारा आगामी बजट में गांवों के 200 वर्ग मीटर तक के आवासीय प्लॉट को हाउस टैक्स से मुक्त रखने, गांवों में मकान निर्माण के दौरान नगर निगम के भवन उपनियमों से आ रही व्यावहारिक परेशानियों से राहत दिलाने की पहल करने तथा गांवों के लिए ग्रामीण समिति में अलग से बजट प्रावधान किए जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। साथ ही दिल्ली पंचायत संघ ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि 200 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले आवासीय प्लॉटों पर शहरी क्षेत्रों के समान संपत्ति कर वसूलना तर्कसंगत नहीं होगा। इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। पंचायत संघ का कहना है कि गांवों में स्थित 200 वर्ग मीटर तक के छोटे प्लॉट, चाहे वे आवासीय हों या व्यावसायिक, उन्हें पूर्ण रूप से नगर निगम के सभी प्रकार के करों और शुल्कों से मुक्त किया जाना चाहिए। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि कई दशकों बाद एकीकृत दिल्ली नगर निगम के पटल पर बजट में गांवों के मुद्दों को प्रमुखता से रखना और उन पर गंभीर चर्चा होना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि स्थायी समिति अध्यक्षा द्वारा की गई यह घोषणा गांवों पर वर्षों से थोपे गए शहरी नियमों के अनावश्यक बोझ से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की गांवों में सिर्फ व्यावसायिक मकानों से ही संपत्ति कर लिया जाएगा लेकिन उसको किस श्रेणी से वसूला जाएगा स्पष्ट नहीं। दूसरा रोजगार के लिए गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में नोटिफाईड करना स्पष्ट नहीं।पंचायत संघ ने मांग की है कि हमारे नगर निगम से जुड़े सभी मुद्दो का पूर्ण रूप से समाधान हो। दिल्ली पंचायत संघ ने उम्मीद जताई कि वर्तमान नगर निगम व सरकार गांव-ग्रामीणों के लिए सकारात्मक कदम उठा रही है। इसलिए गांव-ग्रामीणों को समग्र, संतुलित और न्यायपूर्ण विकास की आश है।

संक्षिप्त खबरें

खजूरी खास में पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमले के मामले में नाबालिग आरोपित को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी पर चाकू से जानलेवा हमले के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एजीएस यूनिट ने एक नाबालिग को पकड़ा है। आरोपित पर उप्र पुलिस के एक जवान और उसकी मदद के लिए आए एक आम नागरिक पर चाकू से हमला करने का आरोप है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बुधवार को बताया कि घटना 22 जनवरी की रात करीब 8:30 बजे की है। खजूरी खास इलाके में बदमाशों के एक समूह ने उप्र पुलिस के एक जवान, जो थाना लोनी (गाजियाबाद) में तैनात था, पर हमला कर दिया। बीच-बचाव के लिए आए एक स्थानीय युवक पर भी चाकू से वार किया गया। हमले में पुलिसकर्मी के गले पर धारदार हथियार से गंभीर चोटें आईं, जबकि आम नागरिक के हाथ में चाकू लगा। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में मेडिकल रिपोर्ट और घायल पुलिसकर्मी के बयान के आधार पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच और पहले से पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ के दौरान इस नाबालिग का नाम सामने आया, जिसने कथित तौर पर चाकू से हमला किया था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की एजीएस यूनिट को उसे पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई। पुलिस टीम ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर पूछताछ कर सुराग जुटाए। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित अपने रिश्तेदार से मिलने वेलकम इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर जाल बिछाया गया और टीम ने नाबालिग आरोपित को दबोच लिया।

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने घर पर की आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ने बुधवार को यहां अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बाहरी उत्तरी जिले की जिला जांच इकाई (डीआईयू) में ड्यूटी ऑफिसर के रूप में तैनात एएसआई रविंदर ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसके बाद वह अपने घर पर अस्वस्थ पाए गए। परिजन उन्हें हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखोदा स्थित एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि यह घटना तड़के घटी। अधिकारी ने कहा, "उनकी (एएसआई की) हालत देखकर परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।" पुलिस के अनुसार, 1998 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए रविंदर ने लगभग 28 वर्षों तक सेवा की और उनके परिवार में उनकी मां, पत्नी, एक बेटी तथा एक बेटा हैं। अधिकारी ने बताया कि विभाग इस दौरान परिवार को सहायता प्रदान कर रहा है और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय सीईएस में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कॉम्पिटेंस एन्हांसमेंट स्कीम (सीईएस) में विश्वविद्यालय के विभागों में दूसरे और चौथे सेमेस्टर में तथा कॉलेजों के दूसरे, चौथे और छटे सेमेस्टर में इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीईएस के लिए पंजीकरण 19 जनवरी से शुरू है जबकि दाखिला 31 जनवरी से शुरू होगा। डीयू के मुताबिक सीईएस के तहत किसी भी उम्र के शिक्षार्थियों को अपने विभागों और कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले मौजूदा कोर्सों के नियमित विद्यार्थियों के साथ दाखिला लेने और अध्ययन करने के लिए ज्ञान बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस योजना का लक्ष्य लोगों के शैक्षिक सपनों को पूरा करना है जिन्हें पहले अवसर नहीं मिला। कोई भी व्यक्ति जो न्यूनतम पात्रता मानदंड और किसी मौजूदा पेपर के लिए निर्दिष्ट पूर्व-आवश्यकताओं को पूरा करता है।

माचिस मांगने के विवाद में युवक की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज नॉर्थ थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान करण (21) के रूप में हुई है। वह जेजे बंधु कैंप का रहने वाला था। घटना 27 जनवरी की रात करीब 11:40 बजे की है।

दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि जेजे बंधु कैंप स्थित बी-5 और बी-6 इलाके से चाकूबाजी की सूचना वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा चुका था। इसी दौरान फोर्टिस अस्पताल, वसंत कुंज से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू लगने से घायल एक युवक को

अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसे बाद में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मृतक का मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) प्राप्त किया, जिसमें गर्दन के पास चाकू से वार किए जाने की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक करण का कुछ युवकों के साथ बीड़ी जलाने के लिए माचिस देने को लेकर मामूली कहासुनी हो गई थी। यह विवाद देखते ही देखते बढ़ गया और इसी दौरान करण पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। पुलिस ने मौके पर स्थानीय लोगों से पूछताछ की और क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मामले में थाना वसंत कुंज नॉर्थ में हत्या का मुकदमा दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जाएगी।

अदालत ने रोहिणी अदालत परिसर गोलीबारी मामले में किशोर को हत्या का दोषी करार दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2017 में यहां के रोहिणी अदालत परिसर के नजदीक 38 वर्षीय एक विचाराधीन कैदी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बुधवार को एक किशोर को दोषी करार दिया। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला संदेह से परे साबित हुआ है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत की अदालत किशोर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत दाखिल आरोप पत्र पर सुनवाई कर रही थी। विशेष लोक अभियोजक आदित्य कुमार ने बताया कि हरियाणा की जेल में बंद राजेश उर्फ काला को 29 अप्रैल, 2017 को रोहिणी जिला अदालत लाया जा रहा था, तभी अदालत परिसर के बाहर किशोर ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि नाबालिग को मौके पर ही पकड़ लिया गया। अदालत ने अपने 41 पृष्ठों के आदेश में कहा कि घटना के चश्मदीद तीन पुलिस अधिकारियों ने अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन किया था और उनकी गवाही के अनुसार, नाबालिग को देसी पिस्तौल के साथ पकड़ा गया था। फैसले में कहा गया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट में अभियोजन पक्ष के दावे की पुष्टि हुई क्योंकि रिपोर्ट में प्रमाणित किया गया घटनास्थल से बरामद गोली (जो पीड़ित को लगी थी) जब्त देसी पिस्तौल से दागी गई थी। अदालत ने कहा कि गवाहों की गवाही और एफएसएल रिपोर्ट ने किशोर के खिलाफ मामले को बिना किसी संदेह के साबित कर दिया है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, सीएम और अन्य ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में असामयिक निधन पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्रियों ने दुख जताया है। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन से मैं अत्यंत स्तब्ध और दुखी हूं। उनका अचानक चले जाना महाराष्ट्र और उन सभी भारतीयों के लिए एक अपार क्षति है, जिन्होंने दशकों तक उनकी समर्पित जनसेवा का सम्मान किया। इस भयावह दुर्घटना में अन्य लोगों का जान गंवाना भी उतना ही दुखद है। शोक संतप्त परिवारों, अनुयायियों और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट

में कहा कि अजित पवार के असामयिक निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक एवं स्तब्ध करने वाली है। उनका जाना भारतीय राजनीति विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिवारजनों एवं उनके समर्थकों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करें। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि अजीत पवार का अचानक चले जाना महाराष्ट्र और उन सभी भारतीयों के लिए एक अपार क्षति है, जिन्होंने दशकों तक उनकी समर्पित जनसेवा का सम्मान किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों, अनुयायियों और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं दी। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अजित पवार का जाना महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा कर गया है जिसे भरना असंभव है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। वाहेगुरु जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

वीरेंद्र सचदेवा ने अजीत पवार के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे महाराष्ट्र के लोगों के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। सचदेवा ने कहा कि अजीत पवार का जाना बेहद दुखद है, क्योंकि महाराष्ट्र की राजनीति में अजीत पवार की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। वह महाराष्ट्र के एक मजबूत नेता थे और उन्होंने भारतीय राजनीति में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस तरह से उनका जाना बेहद दर्दनाक है। यह न केवल महाराष्ट्र के लोगों के लिए बल्कि खेल जगत के लिए भी बहुत बड़ी क्षति है, क्योंकि वह महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और लगातार खेल से जुड़े रहे।

सीलमपुर हत्याकांड का एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में जींस कारोबारी तारिक हसन (36) की गोली मारकर हत्या करने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में छेनू गैंग के शूटर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान अबीर उर्फ साबिर उर्फ पोपा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया है कि रुपयों के लेनदेन में उसने वारदात को अंजाम दिया। आरोपित अबीर के खिलाफ मेकाका, हत्या के प्रयास, लूटपाट समेत कुल 26 मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। शुरुआत में आरोपित ने पुलिस को गुमराह करने के लिए गलती से गोली चलने की बात बताई थी। उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बुधवार को बताया कि तारिक परिवार के साथ चांद मोहल्ला, गोकुलपुरी में रहता था। इसके परिवार में पिता कैसर हसन, भाई शारिक हसन, पत्नी व दो बच्चे हैं। तारिक का जींस का बड़ा कारोबार है। इनकी करोल बाग इलाके में दुकान है। मंगलवार को इनके दोस्त के पिता मंजूर अहमद की मौत हो गई थी। दोपहर के समय वह अपने दोस्तों के साथ मंजूद अहमद को दफनाने के लिए कब्रिस्तान गए थे। वहां से लौटते समय तारिक दोस्त सद्दाम के साथ के-ब्लॉक सीलमपुर में एक बिरयानी की दुकान पर पहुंचे। खाना खाने के बाद वह दुकान के भीतर ही हाथ धो रहे थे। इस बीच पीछे से उनकी कमर में गोली मार दी गई। दोस्त सद्दाम तारिक को जीटीबी अस्पताल ले गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया।

दिल्ली खाद्य सुरक्षा नियम लागू, जरूरतमंदों को ही मिलेगा राशन : मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली। कैबिनेट की मंजूरी के बाद दिल्ली खाद्य सुरक्षा नियम, 2025 राजधानी में लागू हो गया है। यह कदम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की धारा 40 के तहत लंबे समय से लंबित वैधानिक जिम्मेदारी को पूरा करता है। यह नया नियम फ्रेमवर्क सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को मजबूत बनाता है। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को इसकी जानकारी जारी करते हुए इसे दिल्ली के गरीब और वंचित परिवारों के लिए बड़ा बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि कई सालों से पीडीएस में कमियां रही हैं, जिससे असली जरूरतमंद लोग राशन से वंचित रह जाते थे। अब प्राथमिकता वाले परिवारों के लिए आय सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये की जा रही है, जो राजस्व विभाग के प्रमाणित आय प्रमाण-पत्र के आधार पर होगी। नियमों के तहत जिला स्तर पर जिलाधिकारी (डीएम) की अध्यक्षता में गठित समितियां पात्रता की

जांच करेंगी, जिनमें निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। साथ ही, सरकारी कर्मचारी, आयकर दाता, एक से अधिक चार पहिया वाहन रखने वाले, अधिक बिजली खपत करने वाले या निर्धारित क्षेत्रों में संपत्ति रखने वाले परिवारों को योजना से बाहर रखा जाएगा। इस व्यवस्था से सब्सिडी का दुरुपयोग रुकेगा और इसका सही लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचेगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि अब पहले आओ-पहले पाओ की पुरानी व्यवस्था खत्म होगी और गरीब और जरूरतमंद परिवारों को उनका हक मिलेगा। तीन स्तर की शिकायत निवारण व्यवस्था- फेयर प्राइस शॉप स्तर, जिला और राज्य स्तर पर-समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगी। इसके साथ सामाजिक ऑडिट, सार्वजनिक जानकारी और एफपीएस, सर्किल, जिला और राज्य स्तर पर निगरानी समितियों को और मजबूत किया जाएगा। अब शिकायतें लंबित नहीं रहेंगी, हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी।

दिल्ली: सेना के पूर्व अधिकारी से 90 हजार की ठगी, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गैस कंपनी का प्रतिनिधि बनकर सेना के 61 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी से 90,000 रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित को बहकाकर उनके मोबाइल फोन पर कथित तौर पर एक हानिकारक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाई, जिससे उन्हें पीड़ित के बैंक खाते से संबंधित जानकारियां मिल गईं। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिक्की मंडल उर्फ विक्की (22), सुमित कुमार सिंह (26) और राजीव कुमार मंडल (22) के रूप में हुई है। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपियों ने खुद को गैस कंपनी का प्रतिनिधि बताया और धोखे से पीड़ित से एक ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करवाया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारियां हासिल कर लीं और उनका इस्तेमाल कर अवैध लेन-देन किया। अधिकारियों ने बताया कि अपराध शाखा ने घटना के सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने कहा, "तकनीकी विश्लेषण से संकेत मिलता है कि आरोपियों ने अलग-अलग मोबाइल फोन और सिम कार्ड के माध्यम से संगठित और समन्वित तरीके से साइबर धोखाधड़ी की।" उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से नौ मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें से सात की जांच करने पर कई पीड़ितों के विवरण और नामी संस्थानों के नाम पर बनाई गई कुछ एपीके फाइल मिली हैं। जांचकर्ताओं के मुताबिक, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज साइबर धोखाधड़ी की 35 शिकायतों में भी आरोपियों की संलिप्तता पाई गई है। पुलिस ने कहा कि पश्चिम बंगाल के आसनसोल के रहने वाले बिक्की मंडल ने इन एपीके फाइल का प्रसार करने के लिए कई मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया था। उसने बताया कि बिक्की 2024 में आसनसोल में दर्ज साइबर अपराध से जुड़े एक मामले में भी शामिल था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुमित कुमार सिंह और राजीव कुमार मंडल झारखंड के जामताड़ा के निवासी हैं तथा उनके पास से भी कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सिंह के खिलाफ झारखंड में पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों को आसनसोल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित से ठगी गई राशि बरामद करने, डिजिटल साक्ष्यों की कड़ियां जोड़ने और अन्य पीड़ितों की पहचान करने के लिए मामले की जांच जारी है।

संपादकीय

साहसिक फैसलों के लिए याद रहेंगे अजित पवार

महाराष्ट्र की राजनीति में 'दादा' के नाम से मशहूर और प्रभावशाली नेता अजित अनंतराव पवार महाराष्ट्र की राजनीति में अपने साहसिक फैसलों के लिए हमेशा याद किए जाते रहेंगे। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित अनंतराव पवार कद्दावर नेता थे। अनुशासन, तेज फैसले और जनता से सीधा संवाद उनकी पहचान थी। प्रशासनिक दक्षता, बेबाक राय और राजनीतिक परिदृश्य को पहचानने की समझ ने ही उन्हें सियासी शिखर तक पहुंचाया। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उप मुख्यमंत्री थे। यह उनका छठा कार्यकाल था। उन पर वित्त और योजना विभाग का दायित्व था। बारामती विधानसभा से वह 1991 से लगातार सात बार विधायक चुने गए। उनका राजनैतिक सफर साहसिक फैसलों से भरा रहा। नवंबर 2019 में फडणवीस के साथ मात्र 80 घंटे की सरकार बनाई। फिर चाचा शरद पवार के पास लौटे। जुलाई 2023 में एनसीपी में विभाजन कर शिंदे सरकार में शामिल हुए। जिसने शरद पवार के 25 साल के नेतृत्व को चुनौती दी। सहकारी राजनीति से सत्ता के केंद्र तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है जिसने एक किसान परिवार के बेटे को सत्ता का सबसे निर्णायक चेहरा बना दिया। मौके पर ही फैसले लेने के लिए जाने वाले अजित पवार का विवादों से भी नाता रहा है। वह महज एक पद या कुर्सी के आसपास सिमटे रहने वाले नेता नहीं थे। वह अपने आप में कार्यशैली थे। तेज फैसले, लंबा कार्य दिवस, जनता दरबार और प्रशासन पर मजबूत पकड़। राजनीति में उनके उतार-चढ़ाव उतने ही तीखे रहे जितनी उनकी छवि थी। अजित पवार के निधन से पूरे राज्य में बड़ राजनैतिक बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है। वह एक संवैधानिक पद पर नहीं, बल्कि सरकार के भीतर प्रमुख पावर मैनेजर के तौर पर जाने जाते थे। जाहिर तौर पर उनकी गैरमौजूदगी अब महाराष्ट्र के राजनैतिक ढांचे में एक बड़ा बदलाव ला सकती है। सरकार के अलावा उनके नेतृत्व वाली नेशलिस्ट कांग्रेस पार्टी गुट काफी हद तक व्यक्ति आधारित ढ़ांचे पर खड़ा था। उनके नेतृत्व के बिना पार्टी को आंतरिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पश्चिमी महाराष्ट्र विशेष रूप से बारामती, पुणे और अहमदनगर के कुछ हिस्सों में खालीपन महसूस हो सकता है। चीनी मिलों और जिला बैंकों सहित सहकारी क्षेत्र के रास्त पवार ने सत्ता के जिन अहम पदों का सफर तय किया था, उनके बाद सहकारी और स्थानीय राजनैतिक में नियंत्रण के लिए नई प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकती है। जिसका आगामी चुनावों पर प्रभाव पड़ सकता है।

बजट 2026-27 से जुड़े पूर्वानुमान

वित्त वर्ष 2027 में सकल बाजार उधारी 16 से 17 लाख करोड़ रुपए केदायरे में रहने का अनुमान है। कर्ज भुगतान के दबाव को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक बॉन्ड स्विचिंग कर सकता है। विनिवेश सरकार के लिए एक ध्यानयोग पक्ष बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में विनिवेश से सिर्फ 49 अरब रुपए की प्राप्ति हुई है, जो बजट लक्ष्य से काफी कम है। अनुमान है कि गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों में कमी रहेगी। उद्योग जगत के प्रतिभागियों ने आगामी बजट के लिए इनोवेशन और अनुसंधान एवं विकास और निर्यात उन्मुख क्षेत्रों को समर्थन, रोजगार सृजन और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को शीर्ष प्राथमिकताएं बताया है। सर्वे में शामिल लोगों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भू-राजनीतिक जोखिम, रोजगार सृजन और निर्यात प्रतिस्पर्धा को प्रमुख चुनौतियों के रूप में भी चिन्हित किया है। 2025-26 में नए टैक्स रिजीम में 12 लाख रुपए तक की सालाना कमाई को टैक्स फ्री कर दिया गया था, जिससे आम आदमी को बड़ी राहत मिली। कृषि क्षेत्र में पिछले बजट के कई ऐलान अभी लागू नहीं हुए हैं। पिछले साल कृषि को अर्थव्यवस्था का पहला इंजन बताया गया था।

-डा. वरिंदर भाटिया-

एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट 2026-27 पेश करेंगी, जो उनका लगातार नौवां बजट होगा। खास बात यह है कि इस बार बजट रविवार को पेश होगा, जो पिछले कुछ सालों में कम ही हुआ है। पिछले साल सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स फ्री करके आम लोगों को बड़ी राहत दी थी, और इस बार उम्मीदें और बड़ी हैं। माननीय राष्ट्रपति जी ने सरकार की सलाह पर संसद के दोनों सदनों को बजट सत्र के लिए बुलाया है। यह सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र दो हिस्सों में होगा जिसमें पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक। इस दौरान बजट के अलावा कई महत्वपूर्ण चर्चाएं और कई महत्वपूर्ण बिल पास होने की उम्मीद है। बड़े नामों से ज्यादा बजट पेश करने का रिकॉर्ड उनके नाम होगा। पिछले बजटों में उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं और क्या इस बार भी देश की आर्थिक दिशा तय करने में यह बजट अहम भूमिका निभाएगा? देश की आर्थिक स्थिति 2026-27 में गति पकडने की उम्मीद पकड़ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय, राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने वाले सुधारों पर जोर बने रहने की संभावना है। आगामी केंद्रीय बजट में रोजगार सृजन और कौशल विकास को प्रमुख प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य युवाओं के लिए अधिक रोजगार अवसर पैदा करना और स्किल ट्रेनिंग को मजबूत करना होगा। बजट में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर भी जोर रहने की उम्मीद है।

खास तौर पर छोटे और निर्यात आधारित उद्योगों के लिए समर्थन बढ़ाया जा सकता है। कृषि क्षेत्र को लेकर भी सरकार की ओर से समन्वित सहायता की संभावना है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सके। इसके अलावा, शोध एवं विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है, जिससे लंबी अवधि की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिले। बजट में विनियमन कम करने और कारोबार करने में आसानी को और बेहतर बनाने के लिए भी अहम कदम उठाए जाने की उम्मीद है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू 9.6 फीसदी की दर से बढ़ेगा। यह वृद्धि 10.1 फीसदी की अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के लगभग अनुरूप है, लेकिन पहले के औसत से कम रहेगी। अप्रत्यक्ष करों पर दबाव बने रहने की संभावना है। इसके बावजूद फरवरी 2026 से तंबाकू उत्पादों पर बढ़ाई गई उत्पाद शुल्क दरों से उत्पाद शुल्क कलेक्शन को कुछ सहारा मिलने का अनुमान है। नॉन टैक्स रेवेन्यू के मोर्च पर, भारतीय रिजर्व बैंक से मिले ज्यादा डिविडेंड ने वित्त वर्ष 2026 में सरकार को बड़ी राहत दी है। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में नॉन टैक्स रेवेन्यू बजट अनुमान से ज्यादा रह सकता है। हालांकि, वित्त वर्ष 2027 में आरबीआई से मिलने वाला डिविडेंड घटकर 2 से 2.5 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2026 में 2.7 लाख करोड़ रुपए रहा था। पूंजीगत व्यय केंद्र सरकार की विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में 28.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज करने के बाद, वित्त वर्ष 2027 में पूंजीगत व्यय के 10 फीसदी बढ़कर 12.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। व्यय की गुणवत्ता भी मजबूत बने रहने की उम्मीद है, जहां पूंजीगत व्यय और राजस्व व्यय का अनुपात वित्त वर्ष 2026 और 2027 दोनों में लगभग 0.3 रहने का अनुमान है। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में अब तक राजस्व व्यय की वृद्धि सुस्त रही है, जिसका एक कारण व्यय युक्तिकरण के कदम हैं। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में राजस्व व्यय में करीब 1.7 लाख करोड़ रुपए की कटौती की जा सकती है, जिससे राजकोषीय घाटे को काबू में रखने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2026 में राजकोषीय घाटा राशि के लिहाज से बजट लक्ष्य से थोड़ा अधिक रहने का अनुमान है, लेकिन यह जीडीपी के 4.4 फीसदी के स्तर पर सीमित रह सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए उम्मीद है कि राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.2 से 4.3 फीसदी के बीच बजट में तय किया जाएगा, जो राजकोषीय अनुशासन को जारी रखने का संकेत देता है।

वित्त वर्ष 2027 में सकल बाजार उधारी 16 से 17 लाख करोड़ रुपए केदायरे में रहने का अनुमान है। कर्ज भुगतान के दबाव को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक बॉन्ड स्विचिंग कर सकता है। विनिवेश सरकार के लिए एक ध्यानयोग पक्ष बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में विनिवेश से सिर्फ 49 अरब रुपए की प्राप्ति हुई है, जो बजट लक्ष्य से काफी कम है। अनुमान है कि गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों में कमी रहेगी। उद्योग जगत के प्रतिभागियों ने आगामी बजट के लिए इनोवेशन और अनुसंधान एवं विकास और निर्यात उन्मुख क्षेत्रों को समर्थन, रोजगार सृजन और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को शीर्ष प्राथमिकताएं बताया है। सर्वे में शामिल लोगों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भू-राजनीतिक जोखिम, रोजगार सृजन और निर्यात प्रतिस्पर्धा को प्रमुख चुनौतियों के रूप में भी चिन्हित किया है। 2025-26 में नए टैक्स रिजीम में 12 लाख रुपए तक की सालाना कमाई को टैक्स फ्री कर दिया गया था, जिससे आम आदमी को बड़ी राहत मिली। कृषि क्षेत्र में पिछले बजट के कई ऐलान अभी लागू नहीं हुए हैं। पिछले साल कृषि को अर्थव्यवस्था का पहला इंजन बताया गया था।

किसान क्रेडिट कार्ड से लोन की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की गई थी। कॉटन प्रोडक्टिविटी मिशन और हाई यील्डिंग सीड्स पर नेशनल मिशन जैसे कई कदम घोषित किए गए थे। ये 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी वालों को फायदा पहुंचाने वाले थे, लेकिन अभी इनका पूरा अमल नहीं हुआ है। सरकार आने वाले बजट में भी ऐसे प्रावधान करे जिससे देश के मध्यम वर्ग को ताकत मिले। सरकार लगातार श्रमिकों, किसानों, व्यापारियों को आगे बढ़ाने और उनकी आर्थिक शक्ति को मजबूत करने के लिए अहम उपाय करे, टैक्स दरों में बदलाव के साथ-साथ सस्ता कर्ज देकर उन्हें प्रगति करने के अवसर दिए गए हैं। बजट 2026-27 में भी केंद्र सरकार इसी तरह के उपाय कर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदम उठा सकती है। हर बार की तरह इस बार भी टैक्सपेयर्स को और छूट की आस है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इनकम टैक्स में और आसानी आए, नियम सरल हों और अलग-अलग सेक्टरों के लिए खास फायदे मिलें। इसके लिए स्वीकार होने वाली प्रार्थना की जरूरत रहेगी।

धर्मगुरु के चोले में विपक्षी राजनीति का औजार बने अविमुक्तेश्वरानंद

-मनोज कुमार अग्रवाल-

इन दिनों युगों से चले आ रहे प्रयागराज माघ स्नान की सनातनी महिमा को दरकिनार कर एक धर्मगुरु की अहमन्यता ने बखेड़ा खड़ा कर दिया है इस तरह एक माह चलने वाले जिस सनातनी महापर्व से देश के कोने-कोने तक और समूचे विश्व में अध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाना चाहिए था वह सिर्फ एक धर्मगुरु की जिद से पैदा विवाद के चलते तमाम मीडिया को खुद पर केंद्रित कर संस्कृति और धर्म को ठेस पहुंचाने के धतकरम में फंस गया है। वास्तव में यह एक बड़ा प्रोपेगेंडा है जिसकी कमान विरोधी दलों के नीति नियंताओ के हाथों में है और हमारे कथित धर्मगुरु उनकी उंगलियों के ईशारे पर एक महान संस्कृति के गौरव पूर्ण सांस्कृतिक अध्यात्मिक पर्व में विध्न पहुंचाने की कुचेष्ट कर अपने अहम की तुष्टी कर रहे हैं।

सवाल उठता है कि इन धर्मगुरु के लिए पालकी की सवारी अधिक महत्वपूर्ण है या माघ स्नान क्योकि इन्होंने सिर्फ अपनी पालकी से उतर कर पचास कदम पैदल चलना स्वीकार नहीं किया लेकिन माघ स्नान की परवी के स्नान को त्याग दिया स्पष्ट है कि इनके लिए सनातनी मान्यताओं से अधिक अपनी मिथ्या अहंकार और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन अधिक प्रिय है। दरअसल यह वह व्यक्ति है जो पिछले एक लंबे समय से सनातन धर्मगुरु का चोला पहन कर सनातन को ही घोर अपमान और क्षति पहुचाने में व्यस्त हैं।

ये कोई पहला मौका नहीं है जब तथाकथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सुर्खियों में बने हुए हैं। इससे पहले अपने विवादित बयानों को लेकर भी वो कई बार चर्चाओं में रहे हैं। आज हम आपको उनके तमाम बयानों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें लेकर एक समय बवाल मचा था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राहुल गांधी हिंदू नहीं हैं और इसलिए उन्हें राम मंदिर में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अपील करता हूं कि राहुल गांधी को राम मंदिर में प्रवेश न करने दें। जो व्यक्ति हिंदुओं को गाली देता है, वह वहां जाने के लायक नहीं है सिंधु जल रोकने के मामले में भी अविमुक्तेश्वरानंद ने अलग सुर अलापा। उन्होंने कहा पाकिस्तान के लिए। जब हमने भारत सरकार की जल रोकने की व्यवस्था के बारे में पता किया। तो पता चला कि सरकार के पास कोई व्यवस्था ही नहीं है। अगर सरकार इसको रोकने की तैयारी करें तो कम से कम 20 साल लगेगा और पैसा कितना लगेगा, उसकी कोई बात ही नहीं है। संधि को खत्म करके जनता को मूर्ख नहीं बना सकते।

अप्रैल 2025 में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह बिल मुस्लिमों के लिए एक 'सौगात-ए-मोदी है। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक जुमला है क्योंकि आज तक न तो वक्फ संपत्ति सरकारी हुई है और न ही हिंदू समाज को इसका कोई लाभ हुआ है। उनका कहना था कि यह एक राजनीतिक शिगूफा मात्र है।

इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भी विवादास्पद टिप्पणी की। उनका कहना था कि जो लोग अंग्रेजी तारीखों पर अपना जन्मदिन मनाते हैं, वे हिंदू नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म के देवी-देवताओं की जन्म तिथियाँ अंग्रेजी कैलेंडर से नहीं होतीं, और ऐसे लोग भारतीय संस्कृति से विमुख होते हैं। ।

गौहत्या पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि हमे भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक ही सवाल पूछना है, तुम हिन्दू हो। । तुम्हारे पास ताकत है और तुम गद्दी पर बैठे हो। तुमने हिन्दुओं के वोट लिए हैं। तुम गाय के बछड़े को दुलारते हुए दिखाई भी दे रहे हो। बावजूद इसके क्या कारण है कि पीएम गौ हत्या को बंद नहीं करा रहे हैं। क्या दबाव है इसको सार्वजनिक करो। या फिर हिन्दू-हिन्दू वाला नाटक छोड़ो।

जुलाई 2024, को अविमुक्तेश्वरानंद ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। तब अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् और निरंजनी अखाड़ा के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने इस मामले पर जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद के पास अगर सोना चोरी का सबूत है तो उन्हें पुलिस या कोर्ट को सौंपे। उन्होंने कहा था कि अगर उनके पास प्रमाण नहीं है तो सुर्खियों में बने रहने के लिए अनर्गल बयानबाजी न करें। इतना ही नहीं काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे पर भी असहज राग अलापते हुए कहा कि उन्होंने काशी में मंदिर तोड़े, सिर्फ मंदिर ही नहीं दो-दो हजार साल, 1500 साल, हजार साल पुरानी मूर्तियों को तोड़कर जब उन्हें मलबे में फेंका तो हमसे नहीं देखा गया। हमने विरोध किया और आज भी करते हैं और जब तक जीवित रहेंगे तब तक करते रहेंगे।

जुलाई, 2024 को शंकराचार्य ने कहा था, हम हिंदू धर्म को मानते हैं। हम पुण्य और पाप में विश्वास करते हैं। विश्वासघात को सबसे बड़ा पाप कहा जाता है, यही उद्धव ठाकरे के साथ हुआ है। उन्होंने मुझे बुलाया था। मैं यहां (मातोश्री) आया। उन्होंने स्वागत किया। हमने कहा कि उनके साथ हुए विश्वासघात से हमें दुख है। जब तक वे दोबारा सीएम नहीं बन जाते, हमारा दुख दूर नहीं होगा।

रामभद्राचार्य पर निशाना साधते हुए अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि आप कहते हो कि मैंने शास्त्र पढ़ लिए, लेकिन शास्त्रों में लिखा है कि जो भी विकलांग होता है उसको संन्यास का अधिकार नहीं है, उसके बाद भी आप दंड लेकर लोगों के सामने संन्यासी बने घूम रहे हो। शास्त्रों के विरोध में आप कैसे संन्यासी बनकर घूम रहे हो। आप तुलसी दास जी का विरोध करते हो, रामानंदाचार्य जी का विरोध करते हो। आदि शंकराचार्य और चारों पीठों के शंकराचार्य के खिलाफ टिप्पणी करते हो, आप उपनिषद के भी विरोधी हो।

इन दिनों अविमुक्तेश्वरानंद खुलेआम योगी आदित्यनाथ जी के लिए तू तड़ाक बोल रहे हैं, योगी को संत मानने से इंकार कर रहे हैं। योगी के खिलाफ इतना एजेंडा सपा, कांग्रेस, बसपा और पूरा इंडी गठबंधन नहीं चला सका है, जितना एजेंडा ये तथाकथित शंकराचार्य चला रहे हैं। जब पालघर में साधुओं को मारा गया तो अविमुक्तेश्वरानंद चुप रहे और भाजपा की सरकार बनी तो कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उद्धव ठाकरे सीएम नहीं रहे। सीएए कानून के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान के मुस्लिमों को भी भारत की नागरिकता देने की मांग की। कुख्यात अतीक अहमद और अशरफ की मौत न्यायिक जांच की मांग की। बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की ताकि भाजपा राजग सरकार को हराया जा सके। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर अत्याचार और पलायन पर शांतिप्रिय दंगाइयों को क्लीन चिट दी और इसे कानून व्यवस्था का मामला कहा सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया बताने वाले इंडी गठबंधन के नेताओं का समर्थन किया-महाकुंभ के दौरान कहा कि हमारा मुख्यमंत्री झूठा है और योगी आदित्यनाथ को इस्तीफ़ा देना चाहिए।

ड्रैगन को बनाएं अपने घर का सुरक्षा कवच

फेंगशुई का विज्ञान इसी बात पर जोर देता है कि अधिक से अधिक सकारात्मक ऊर्जा पाने के लिए ऐसे उपाय अपनाए जाए जिनमें कम से कम साजो-समान, प्रयास या समय खर्च करना पड़ें। फेंगशुई चाईनिस वास्तु है। जो चीन में ही नहीं भारत के लोगों में भी काफी लोकप्रिय है। पशु-पक्षियों को फेंगशुई बहुत महत्व देता है और उन्हें उचित दिशा में रखकर मनचाही इच्छाओं की पूर्ति करता है। फेंगशुई ज्ञाताओं का मानना है कि घर के मुख्यद्वार के बाहर काला कछुआ, लाल पक्षी, सफेद बाघ एवं हरा ड्रैगन होते हैं जो घर को सुरक्षा प्रदान करते हैं। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। उनमें से मुख्य रूप से घर में ड्रैगन की मूर्ति या चित्र अवश्य रखना चाहिए। ड्रैगन यांग ऊर्जा का प्रतीक होता है। यह सौभाग्य के लिए सबसे अधिक ताकतवर माना जाता है। घर के अंदर ड्रैगन अपने घर के परिवार वाले भाग में लकड़ी की या हरे रंग की लगा सकते हैं या घर के बैठक कक्ष में लगाएं। ड्रैगन को ऊंचाई पर नहीं रखना चाहिए और न ही शयन कक्ष में रखना चाहिए क्योंकि शयनकक्ष की प्रकृति यिन होती है। जिससे पारिवारिक सदस्यों को मानसिक तनाव और बेचैनी की स्थिती बनी रहती है। ड्रैगन लकड़ी, चीनि मिट्टी या क्रिस्टल का होना चाहिए। मैटल यहां तक की सोने का ड्रैगन भी अच्छा नहीं माना जाता। ड्रैगन किसी भी धातु का नहीं होना चाहिए क्योंकि दोनों यांग शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। मिट्टी से बनें चाईनिस पात्र एवं फूलदान आदि जिन पर हरा ड्रैगन बना हो, उन्हें बहुत शुभ माना जाता है। किसी प्रिय को उपहार देने के लिए यह अनुपम भेंट है। लकड़ी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व या उत्तर पश्चिम में रखें। पढ़ने वाले बच्चे इसे अपनी स्टडी टेबल पर रखें। आज की मार्डन जनरेशन में ड्रैगन को फैशन और ज्यूलरी के रूप में भी काफी पसंद किया जा रहा है जैसे ड्रैगन नेकलेस, ड्रैगन ईयररिंग्स, ड्रैगन ब्रेसलेट, ड्रैगन रिंग, ड्रैगन थम रिंग आदि। ये देखने में बेहद ग्लैमरस लगते हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1528 - मुगल साम्राज्य वंश के संस्थापक बाबर ने मेवाड़ के राजा राणा साँगा को हराकर चंदेरी के क़िले पर कब्ज़ा किया।

1676 - 'थियोडोर तृतीय' रूस के जार बने।

1780 - भारत का पहला समाचारपत्र अंग्रेजी में 'हिकीज बंगाल गजट' के नाम से प्रकाशित हुआ। 'हिक्की गजट' या 'बंगाल गजट' या 'कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर' का कोलकाता से प्रकाशन हुआ। अंग्रेज़ी भाषा के इस समाचार पत्र के संपादक 'जेम्स ऑगस्टस हिक्की' थे।

1889 - आस्ट्रिया हंगरी के युवराज 'आर्कड्यकू रूडोल्फ़' ने अपनी प्रेमिका की हत्या के बाद आत्महत्या कर ली।

1916 - 'प्रथम विश्व युद्ध' में जर्मनी ने फ्रांस पर पहली बार हमला किया।

1919 - चेक फ़ौजों ने गैलीसिया में पोलैंड की फ़ौजों को शिकस्त दी।

1931 - महात्मा गांधी दूसरे गोलमेज सम्मेलन के प्रतिनिधि के रूप में इंग्लैंड के लिए रवाना हुए थे।

1939 - रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना हुई।

1942 - जर्मनी और इटली के सैनिकों ने लीबिया के बेनगाजी पर कब्जा किया।

1947 - अमेरिका ने चीन में मध्यस्थ की भूमिका छोड़ दी।

1949 - ब्रिटेन ने इजरायल को मान्यता दी।

1953 - संगीत नाटक अकादमी की स्थापना हुई।

1955 - भारतीय कामगार किसान पार्टी की स्थापना हुई थी।

1963 - फ्रांस के वीटो के कारण यूरोपीय साझा बाज़ार में ब्रिटेन को प्रवेश नहीं मिल सका।

1973 - अमेरिका, सोवियत संघ तथा 17 देश यूरोप में सैन्य बल कटौती में विचार-विमर्श के लिए विएना में बैठक की।

1976 - सोवियत संघ अंगोला में राजनीतिक समझौते के लिए सहमत हुआ।

1979 - भारत के सबसे पहले जंबो ट्रेन. दो इंजन वाली. तमिलनाडु एक्सप्रेस को नयी दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर चेन्नई के लिए रवाना किया गया।

1986 - अमेरिकी अंतरिक्ष शटल 'चैलेंजर' दुर्घटनाग्रस्त एवं उसमें सवार सभी 7 अंतरिक्ष यात्रियों की मृत्यु।

आरक्षण की राजनीति: योग्यता, न्याय और यूजीसी 'समता' का जाल

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की आरक्षण नीति, जो कभी सामाजिक न्याय का औज़ार थी, आज पहचान की राजनीति और योग्यता की बहस के बीच फँस चुकी है। सवर्ण युवाओं की जाति रहित दृष्टि को व्यवस्था लगातार नकारती रही है, जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए समता संवर्द्धन विनियम विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी का एक नया तंत्र खड़ा कर रहे हैं। न्याय के नाम पर राजनीति हावी है और शिक्षा उसका मैदान बन गई है।

आरक्षण की जड़ें स्वतंत्रता-पूर्व काल में हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने दलितों के ऐतिहासिक उत्पीड़न के प्रतिकार के लिए प्रतिनिधित्व की माँग उठाई। संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण स्वीकार हुआ। 1950 के दशक में 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 7.5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति तय हुआ। 1990 में मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत दिया। इंदिरा साहनी मामले (1992) में सर्वोच्च न्यायालय ने 50 प्रतिशत की सीमा तय की- यह स्वीकारते हुए कि असीम आरक्षण, योग्यता और प्रतिस्पर्धा को क्षति पहुँचा सकता है।

समय के साथ बदलाव आए। 2019 के 103वें संविधान संशोधन से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण मिला-जाति से इतर आर्थिक आधार को संवैधानिक

मान्यता मिली। पर अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त अनुपालन अब भी अधूरा है। नागराज मामले (2006) ने पदोन्नति में आरक्षण को वैध ठहराया, पर आँकड़ों के संग्रह को अनिवार्य किया-जो अक्सर औपचारिकता बनकर रह गया।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (2019-20) के अनुसार उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से ऊपर है, पर ड्रॉपआउट दर 20–25 प्रतिशत बनी हुई है। यह तथ्य तैयारी और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर की ओर संकेत करता है, न कि केवल भेदभाव की ओर। संयुक्त प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में कोटा विवाद थमता नहीं। भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (2023) बताता है कि 70 प्रतिशत युवा जाति को अप्रासंगिक मानते हैं- खासकर सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्रों में। फिर भी प्रमाणपत्रों और अंकतालिकाओं पर जाति की मुहर चेतना पर बोझ बनती जा रही है। फौजी परिवारों तथा अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय शिक्षा वाले युवाओं के लिए जाति एक बंद फ़ाइल है-जिसे व्यवस्था बार-बार खोल देती है।

इससे एकीकरण नहीं, सामाजिक दूरी बढ़ने की आशंका है। यह ढाँचा अमेरिकी विविधता, समता और समावेशन मॉडल से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षा में नस्ल-आधारित सकारात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई। भारत जैसे जटिल सामाजिक ढाँचे में आयातित निगरानी उलटा असर डाल सकती है।

जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार सामान्य कटऑफ से अधिक अंक लाता है, तो उसे योग्यता के आधार पर अनारक्षित सीट मिलेगी- आरक्षण का कोटा खाली नहीं छोड़ा जाएगा। यह इंदिरा साहनी की भावना के अनुरूप है कि आरक्षण प्रतिनिधित्व का साधन है, कोई रियायत नहीं। हालांकि, संकाय भर्ती और पदोन्नति पर इसका प्रभाव सीमित है; कुछ राज्यों में 65 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अब भी न्यायिक समीक्षा में है। आँकड़े मिश्रित तस्वीर दिखाते हैं। उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लगभग 49.5 प्रतिशत कोटा भरा है, जबकि निजी क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत नियुक्तियाँ योग्यता आधारित हैं। बेरोज़गारी लगभग 23 प्रतिशत बनी हुई है। मूल समस्या जाति से अधिक शिक्षा की गुणवत्ता और पूर्व-तैयारी की कमी है।

हरियाणा की पंचायतों में 73वें संविधान संशोधन के तहत 50 प्रतिशत महिला आरक्षण ने राजनीतिक चेतना बढ़ाई। प्रॉक्सी सरपंच जैसी समस्याएँ रहीं, पर समय के साथ निर्णय क्षमता और भागीदारी बढ़ी। अहम यह कि वहाँ निगरानी-दस्ता नहीं था; स्वाभाविक एकीकरण हुआ। यह दिखाता है कि आरक्षण सशक्तिकरण के लिए हो, स्थायी विभाजन के लिए नहीं। समाधान स्पष्ट हैं- आर्थिक आधार को मज़बूत किया जाए, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण का लक्ष्यीकरण बेहतर हो; प्रत्येक जिले में निःशुल्क पूर्व तैयारी और कोचिंग केंद्र स्थापित हों; अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त पालन हो; विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी के बजाय सहयोगी कार्यशालाएँ हों; हर दस वर्ष में आँकड़ों के आधार पर कोटा की समीक्षा की जाए और स्कूल स्तर पर विज्ञान, गणित और भाषा की गुणवत्ता सुधारी जाए। आज का युवा जाति से आगे देखता है- वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और स्पेसएक्स से प्रेरित है। लेकिन नीतिगत अभ्यास उसे पहचान की राजनीति में उलझा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समता निगरानी दूरी बढ़ा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा भारत का शौर्य

जी-राम-जी कानून से गांवों में रोजगार को नई मजबूती : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के शौर्य और पराक्रम को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब पूरी दृढ़ता और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि न किसी से डरें, न किसी को डराएं–यही भारत की नीति है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि वर्ष 2026 के साथ भारत इस सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस सदी के पहले 25 वर्ष अनेक सफलताओं, गौरवपूर्ण उपलब्धियों और महत्वपूर्ण अनुभवों से भरे रहे हैं। पिछले 10–11 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है, जो विकसित भारत की यात्रा को गति दे रही है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि वे हमेशा समानता और सामाजिक न्याय पर बल देते थे। संविधान भी हमें यही प्रेरणा देता है कि सच्चा सामाजिक न्याय तभी संभव है, जब बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक को उसके पूर्ण अधिकार प्राप्त हों। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और समाज के हर वर्ग के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीण रोजगार और विकास का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि 'विकसित भारत–जी राम जी कानून' का गठन किया गया है, जिसके तहत गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने कानून को वापस लेने की मांग करते हुए नारेबाजी की, जबकि एनडीए और भाजपा सांसदों ने मेज थपथपाकर समर्थन जताया। राष्ट्रपति ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना का सकारात्मक प्रभाव देश के हर नागरिक के जीवन में दिखाई दे रहा है।

वर्ष 2014 की शुरुआत में जहां सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ केवल 25 करोड़ लोगों तक सीमित था, वहीं आज लगभग 95 करोड़ भारतीय सामाजिक सुरक्षा के दायरे में हैं। पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए, जिनमें से 32 लाख मकान केवल पिछले एक वर्ष में गरीब परिवारों को दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत पिछले पांच वर्षों में 12 करोड़ से अधिक परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार और घोटालों पर प्रभावी नियंत्रण किया है तथा डीबीटी के माध्यम से एक वर्ष में लगभग सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों रुपये का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया गया है, जबकि बीते वर्ष एक करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना कार्ड जारी किए गए। उन्होंने कहा कि ये सभी उपलब्धियां भारत की वर्ष 2047 तक तेज, सशक्त और आत्मनिर्भर यात्रा की मजबूत नींव तैयार कर रही हैं।

राष्ट्रपति, गडकरी, खरगे, राहुल गांधी ने अजित पवार के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती में आज सुबह हुए विमान हादसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीयमंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत तमाम नेताओं ने दुख जताया है। नेताओं ने इसे महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा कि बारामती में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

अजित पवार का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है और महाराष्ट्र के विकास, विशेषकर सहकारी क्षेत्र में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। राष्ट्रपति ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगतों के परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर कहा कि अजित पवार का आकस्मिक निधन अत्यंत हृदयविदारक है। वर्षों तक साथ काम करने के दौरान उनके साथ उनका गहरा संबंध रहा। उन्होंने अजित पवार को दूरदर्शी प्रशासक, विकासशील सोच वाला नेता और जन-जन से जुड़ने की अद्भुत क्षमता रखने वाला जननेता बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि विमान हादसे में अजित पवार का निधन बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाला है। उन्होंने इसे एक ऐसे नेता की असमय क्षति बताया, जिनके सामने लंबा और प्रभावशाली राजनीतिक भविष्य था। खरगे ने पवार परिवार, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदना जताई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अजित पवार और उनके सहयात्रियों के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इस शोक की घड़ी में वह महाराष्ट्र की जनता के साथ खड़े हैं और पवार परिवार तथा प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने एक्स पर शोक जताते हुए कहा कि अजित पवार का निधन सार्वजनिक जीवन के लिए गहरी क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को संबल देने की कामना की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख व्यक्त करते हुए इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और पवार परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि अजित पवार की जनसेवा और महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक्स पर कहा कि अजित पवार का आकस्मिक निधन महाराष्ट्र की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा कि हाल ही में बारामती में अजित पवार के साथ हुई मुलाकात उनके प्रगतिशील दृष्टिकोण और युवाओं के भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनके सपनों के भविष्य-तैयार महाराष्ट्र को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद अरुण गोविल और रवि किशन ने भी इस हादसे को महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए बड़ी क्षति बताया।

जेडीए ने 16 बीघा भूमि पर बसाई जा रही पांच अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को 16 बीघा भूमि पर बसाई जा रही पांच अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया जोन–23 में स्थित चाकसू ग्राम पिनारपुरा में करीब 3 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर, चाकसू कोटखावदा पुलिया के पास, ग्राम रामनिवासपुरा में करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'पवन विहार' के नाम, चाकसू कोटखावदा पुलिया के पास में करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर, चाकसू, कोटखावदा पुलिया के पास में ही करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर और जोन–12 में स्थित कालवाड़ रोड में करीब 7 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'मानसी विहार' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई मिट्टी–ग्रेवल सडकें, सीमेन्ट की सडकें व अन्य अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

अंकिता भंडारी मामले की सीबीआई जांच को लेकर सरकार गंभीर नहीं: गोदियाल

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच को लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं है। गोदियाल ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीड़ित परिवार की लिखित मांग के आधार पर सीबीआई जांच का ऐलान किया था, जिसमें हत्यारों को फांसी, मामले में शामिल वीआईपी को सजा और जांच किसी सिटिंग जज की निगरानी में कराने की मांग शामिल थी लेकिन जांच से पहले ही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई और उसी आधार पर सीबीआई जांच की बात कही गई, जिससे संदेह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ऐलान को 15 दिन से अधिक हो चुके हैं लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि मामला सीबीआई को सौंपा गया है या नहीं। इस संबंध में कोई अधिसूचना सार्वजनिक नहीं हुई है और सरकार टर्म ऑफ रेफरेंस को भी स्पष्ट नहीं कर रही। गोदियाल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के ऐलान को 15 दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि मामला सीबीआई को सौंपा गया है या नहीं।

जनभागीदारी से मजबूत हो रहा जल संरक्षण, स्वच्छता का आंदोलनः सीआर पाटिल

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वच्छता योद्धाओं एवं स्कूली छात्रों के साथ संवाद में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनभागीदारी की भावना मजबूत हो रही है और समुदाय स्तर पर लोग जल संरक्षण एवं स्वच्छता के राष्ट्रीय आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं।

पाटिल ने बुधवार को यहां पालिका सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट (पीएसओआई) में देशभर से आए स्वच्छता योद्धाओं और स्कूली छात्रों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में उन्होंने 25 जलज आजीविका केंद्रों का उद्घाटन किया। साथ ही यूथ फॉर गंगा–यूथ फॉर यमुना अभियान भी शुरू किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री राज भूषण चौधरी, वी सोमना, सचिव वीएल कंठा राव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए स्वच्छता योद्धाओं और छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को गंगा–यमुना संरक्षण और स्वच्छता आंदोलन की सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने गंगा को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, जैव विविधता संरक्षण और जल स्रोतों की रक्षा जैसे प्रयासों की जानकारी दी।

उन्होंने जल प्रहरी और वॉश वॉरियर्स के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनभागीदारी की भावना मजबूत हो रही है और समुदाय स्तर पर लोग जल संरक्षण और स्वच्छता के राष्ट्रीय आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने एनएमसीजी के सतत प्रयासों को भी सराहा और कहा कि इनसे गंगा की स्वच्छता और पारिस्थितिकी स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बुधवार को डंपर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पाकर मौके पर पहुंची जहानाबाद थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। कार्यवाहक थाना प्रभारी संजय सिंह यादव ने बताया कि जनपद कानपुर देहात जिले में थाना डेरापुर के गांव रतनियापुर निवासी सदावृक्ष (20) बुधवार को मोटरसाइकिल से जहानाबाद जा रहा था। चौडगरा घाटमपुर हाइवे मार्ग में दुर्गापुर मोड़ के पास तेज रफ्तार डंपर ने सामने से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कार्यवाहक थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना करने वाले डंपर को जब्त करते पुलिस फरार चालक की तलाश में जुट गई।

युवाओं की भूमिका से ही खत्म होगा देश में भ्रष्टाचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह

देहरादून। उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा है कि भ्रष्टाचार राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती है और इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक एवं निर्णायक प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने युवाओं से भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक और सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल बुधवार को यहां लोक भवन में राज्य सतर्कता अधिष्ठान की ओर से आयोजित "यूथ अगेंस्ट करप्शन" विषयक गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। गोष्ठी में भ्रष्टाचार के कारणों, उसके सामाजिक प्रभाव तथा निवारण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यपाल ने कहा कि जब तक भ्रष्टाचार देने और लेने वाले दोनों की मानसिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ई-गवर्नेंस, तकनीक के प्रभावी उपयोग और डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर जैसी व्यवस्थाओं से शासन में पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका कम हुई है।

उन्होंने दोषियों के विरुद्ध सजा की दर बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार किए बिना वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। राज्यपाल ने भ्रष्टाचार को विकास के मार्ग में बड़ी बाधा बताते हुए इसे जड़ से समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड में भ्रष्टाचार के विरुद्ध उठाए गए कठोर कदमों की सराहना करते हुए कहा कि बीते वर्षों में भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने युवाओं से ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

रंगाई-छपाई की अवैध फैक्ट्री ध्वस्त करने पर तनाव

जोधपुर। नगर निगम द्वारा बुधवार को कागा कागड़ी में एक रंगाई-छपाई की अवैध फैक्ट्री ध्वस्त करने पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की इस कार्रवाई का विरोध जताया और सडक़ पर उतर आए। वहां भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता भी पहुंचा। यहां पुलिस-निगम कर्मचारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया गया।

दरअसल नगर निगम की टीम ने आज कागा कागडी क्षेत्र में रंगाई-छपाई करने वाली एक फैक्ट्री पर कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को जेसीबी की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। कार्रवाई के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई, जिसमें कुछ लोग चोटिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

राजनीति के 'दादा' अजित पवार का राजनीतिक सफर

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले लगभग 35 वर्षों से एक धाकड़ नेता के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले अजित पवार संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे। वे आम लोगों के लिए सहज रूप से उपलब्ध रहने वाले जननेता थे। उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वाकांक्षी और प्रभावशाली नेता के रूप में जाना जाता रहा है।

'दादा' के नाम से पहचाने जाने वाले, अपनी बात के पक्के अजित पवार को लेकर आई विमान दुर्घटना की खबर ने न सिर्फ महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। यह दुर्घटना पुणे जिले के बारामती में हुई, जहां हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजीत पवार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (एसपी) नेता शरद पवार को फोन कर अपनी संवेदनाएं भी प्रकट कीं। अजीत पवार ने राज्य की राजनीति में प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में विशेष ख्याति अर्जित की थी।

महाराष्ट्र की राजनीति में ध्रुव तारे की तरह चमकने वाले पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के राहुरी तालुका के देवलाली प्रवरा में अनंतराव गोविंदराव पवार के घर हुआ था। कम उम्र में ही परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी, जिससे वे सामाजिक समस्याओं और आम लोगों के संघर्षों से गहराई से परिचित हुए। इसी दौरान किसानों के प्रति उनकी गहरी सहानुभूति विकसित हुई। उन्होंने किसानों के संघर्षों को नजदीक से समझा और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।

अजीत पवार की नेतृत्व यात्रा दुग्ध संघों, सहकारी समितियों, चीनी कारखानों और बैंकों से जुड़ने के साथ शुरू हुई। वर्ष 1991 में उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इसी वर्ष वे पहली बार बारामती से लोकसभा के लिए चुने गए। बाद में उसी वर्ष बारामती विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। तब से अब तक वे लगातार सात बार इसी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होते रहे और वर्तमान में भी वहीं से विधायक थे।

उनके नाम महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद पर सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड दर्ज है। वे राज्य की मौजूदा महायुति सरकार में भी उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत थे। अपने पद और कद की परवाह किए बिना अजीत पवार जनता दरबारों के माध्यम से आम जनता से सीधे संवाद करते थे। वे पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के साथ समान व्यवहार करते थे और प्रशासनिक कार्यों में तेजी के लिए जाने जाते थे। पढ़ने के शौकीन अजीत पवार को क्रिकेट, टेनिस, खो-खो और कबड्डी में भी विशेष रुचि थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अजीत पवार को आमजन का नेता बताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि उनका जमीनी स्तर से गहरा जुड़ाव था। उन्होंने सदैव महाराष्ट्र की जनता की सेवा को प्राथमिकता दी।

प्रशासनिक विषयों की उनकी समझ और गरीब व वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के प्रति उनका समर्पण उल्लेखनीय था। उनका असमय निधन अत्यंत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मेरे प्रिय मित्र और साथी, लोगों से गहरे जुड़ाव वाले जननेता, उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार का एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह अत्यंत चौंकाने वाली और हृदय विदारक खबर है। मैं स्तब्ध हूं। इस दुख को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैंने अपने उस बहादुर मित्र को खो दिया है, जिनका दिल बहुत बड़ा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत और अपूरणीय क्षति है।

एनडीसीटी नियम में अहम संशोधन, दवा अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा

Ministry of Ayush
Government of India

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल्स (एनडीसीटी) नियम, 2019 में अहम संशोधन अधिसूचित किए हैं। इनका उद्देश्य नियामकीय बोझ कम करना, अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाना और दवा अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये संशोधन प्रधानमंत्री के ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस और ट्रस्ट-आधारित नियमन के विज़न के अनुरूप किए गए हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गई जानकारी में बताया कि संशोधित नियमों के तहत अब दवाओं के गैर-व्यावसायिक निर्माण (जांच, अनुसंधान या विश्लेषण के लिए) के लिए पहले आवश्यक टेस्ट लाइसेंस की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है। इसकी जगह अब ऑनलाइन पूर्व-सूचना की व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि, यह छूट कुछ उच्च-जोखिम वाली दवाओं जैसे साइटोटॉक्सिक, नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक पदार्थों पर लागू नहीं होगी।

सरकार के अनुसार, इस सुधार से दवा विकास प्रक्रिया में कम से कम 90 दिनों की बचत होगी। वहीं, जिन मामलों में टेस्ट लाइसेंस की आवश्यकता बनी रहेगी, वहां इसकी प्रोसेसिंग समय-सीमा 90 दिन से घटाकर 45 दिन कर दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि हर साल सीडीएससीओ द्वारा लगभग 30 से 35 हज़ार टेस्ट लाइसेंस आवेदनों का निपटारा किया जाता है, ऐसे में यह बदलाव उद्योग के लिए बड़ी राहत होगी। क्लिनिकल रिसर्च को तेज़ करने के लिए सरकार ने कम जोखिम वाले बायोएवैलेबिलिटी/ बायोइक्विवेलेंस अध्ययनों के लिए पूर्व अनुमति की शर्त भी हटा दी है।

अब ऐसे अध्ययन केवल ऑनलाइन सूचना के आधार पर शुरू किए जा सकेंगे। सीडीएससीओ हर साल करीब 4,000 से 4,500 अध्ययन आवेदनों को प्रोसेस करता है। इन संशोधनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम और सुगम पोर्टल पर विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार का कहना है कि ये बदलाव जन स्वास्थ्य और सुरक्षा से समझौता किए बिना नियामकीय प्रक्रियाओं को तेज़ करेंगे, सीडीएससीओ की कार्यक्षमता बढ़ाएंगे।

जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं
बख्शे न जाएं भू माफिया: मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि किसी दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए। दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले दबंगों, कमजोरों को उजाड़ने वालों तथा भूमाफिया को कतई न बख्शा जाए। उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, सबक सिखाया जाए। सीएम ने दोहराया कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ति की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने ससुराल पक्ष से विवाद तथा परिवार से जुड़ी शिकायतें भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

सीएम योगी ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर समस्या का समाधान कराया जाए। ऐसा न होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इलाज का पैसा सीधे अस्पताल के खाते में भेज दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, अपने हाथों से खिलाया गुड़-रोटी

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा भी उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मुख्यमंत्री सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया।

गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नाम पुकारे। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। अपने नाम की प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-कूदते उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया।

मंदिर परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर जब परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को अपने पास बुला लिया। बच्चों से उनका नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा। उनसे ठिठोली भी की और फिर स्नेहाशीष देते हुए बोले, खूब पढ़ो-खूब आगे बढ़ो। मुख्यमंत्री ने इन सभी बच्चों को अपने हाथ से मिष्ठान्न भी दिया। इस अवसर पर उन्होंने दो छोटे बच्चों को गोद में लेकर उनका अन्नप्राशन भी कराया।

विमान दुर्घटना में अजित पवार की मृत्यु पर योगी आदित्यनाथ, अखिलेश यादव और मायावती ने जताया शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।"

उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।" समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस घटना को "बेहद दुखद" बताते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकसंतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।" बसपा प्रमुख मायावती ने अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक बताते हुए कहा कि विमान दुर्घटना में उनकी मौत "बेहद दुखद" है।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक राकांपा नेता अजित पवार की आज बारामती में विमान हादसे में हुई मृत्यु अति-दुखद है। उनके परिवार तथा पार्टीजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ईश्वर सभी को यह दुख सहन करने की शक्ति दे।" अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

खेत में मिली श्री राधा कृष्ण की मूर्ति को पुलिस ने कब्जे में लिया

बाराबंकी। जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र स्थित नवीपुर गांव में बुधवार को एक खेत में श्री राधा कृष्ण की मूर्ति मिली। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मूर्ति को कब्जे में ले लिया।

हल्का चौकी में तैनात दारोगा मनोज कुमार ने बताया कि गांव के भूपेंद्र सिंह ने पुलिस को सूचना दिया कि गांव के बाहर खेत में श्री राधा कृष्ण की मूर्ति मिली, जो देखने में बेशकीमती लग रही हैं। इधर, खेत में मूर्ति मिलने की खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खेत में मिली मूर्ति को अपने कब्जे में लेकर थाने ले आए। दारोगा मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस इस बात का पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि यह मूर्ति खेत में कैसे और कहां से आई।

रंगदारी मामले में पुलिस ने सपा नेता को भेजा जेल

उरई। उरई में समाजवादी पार्टी(सपा) नेता रिजवान मंसूरी उर्फ छोटू टाईगर के खिलाफ एक युवती के अपहरण मामले में बुधवार को नया मोड़ आ गया। युवती के बयान के बाद रंगदारी का आरोप प्रकाश में पाए जाने पर पुलिस ने उन्हें रिजवान पकड़ते हुए जेल भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि जालौन के कोंच कोतवाली पुलिस ने बीते दिनों एक युवती के अपहरण का मामला दर्ज किया था। इस मामले में आरोपित सपा नेता और मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पूर्व जिलाध्यक्ष रिजवान मंसूरी उर्फ छोटू टाईगर को गिरफ्तार किया था। उन्हें पिछले 7 दिनों से न्यायिक हिरासत में रखा गया था। पीड़ित युवती के बयान और जांच के दौरान अपहरण का मामला साबित नहीं हो सका, लेकिन उनके खिलाफ रंगदारी मांगने की बात सामने आने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। इसी आरोप में आज उन्हें अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया गया।

अजित पवार के साथ विमान हादसे में मरने वालों में यूपी की पिंकी माली भी, पैतृक गांव शोक में

जौनपुर। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के साथ विमान हादसे में उत्तर प्रदेश के जौनपुर की एक युवती की भी मौत हुई है। वह प्लेन में केबिन क्रू थी। मौत की खबर से उसके पैतृक गांव केराकत कोतवाली क्षेत्र के भैसा गांव में शोक का माहौल है। जौनपुर जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर केराकत तहसील के भैंसा गांव की मूल निवासी 29 वर्षीय पिंकी माली हादसे वाले विमान में केबिन क्रू थी।

पिंकी के पिता शिव कुमार माली महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के नेता हैं। भैसा गांव निवासी अशोक सिंह ने बताया कि पिंकी के पिता का गांव से गहरा जुड़ाव है। वह हर साल गांव में दुर्गा पूजा करवाते हैं। डेढ़ साल पहले ही गांव आए थे। परिवार के सभी लोग मुंबई में रहते हैं। पिंकी का एक भाई करन और एक बहन प्रीति है। हम लोगों को टीवी से हादसे का पता चला।पिंकी की मौत की खबर से गांव में शोक व्याप्त है। पिंकी के चचेरे भाई कृष्णा माली ने बताया कि उसके पिता बताया करते थे कि पिंकी बहुत खुश थी और उसने कहा था कि फ्लाइट में जाऊंगी तो आपकी बात अजित पवार से कराऊंगी। उनके भाई करन ने बताया कि सुबह कॉल पर पिंकी ने कहा था कि वह वह बारामती से नांदेड़ जा रही हैं। उसके बाद उनका कोई मैसेज नहीं आया। पिंकी की जाने का गम जनपद में हर किसी को है। वही माली समाज से ताल्लुक रखते हुए उनके पिता को लोग बहुत ही मिलनसार और पिंकी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव माली समाज के नेता पप्पू माली ने बताया कि आज पिंकी का जाना हमारे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके पिता से हम लोगों का गहरा संबंध है। वे लगभग गांव से 25 साल पहले रोजी रोटी के सिलसले में मुम्बई गए थे। काफी कठिन परिश्रम करके उन्होंने अपने परिवार को आज इस मुकाम तक पहुंचाया था। हमको सुबह सोशल मीडिया से इसकी जानकारी मिली है।

कार की टक्कर से सिपाही की दर्दनाक मौत

संभल। सड़क हादसे ने यूपी पुलिस के एक जवान की जान ले ली। बहजोई कोतवाली क्षेत्र में एक अनियंत्रित ईको कार ने बाइक सवार सिपाही को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। मृतक सिपाही की पहचान विकुल कुमार के रूप में हुई जो कि थाना रजपुरा में डाक पैरोकार के पद पर तैनात थे। विकुल कुमार रजपुरा थाने की दैनिक डाक लेकर बहजोई की ओर आ रहे थे, तभी रास्ते में ईको कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद घायल सिपाही को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक सिपाही के परिवार और पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के विषय में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा ने बताया कि आरक्षी विकुल कुमार जो 2011 बैच के थे, एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। वह थाना रजपुरा में डाक पैरोकार थे और दैनिक डाक लेकर रजपुरा से बहजोई की ओर आ रहे थे। बहजोई के पास एक ईको वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में आई गंभीर चोटों के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह हमारे पुलिस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

भ्रष्टाचार के मामले में चार पुलिसकर्मियों के विरुद्ध की गयी अनुशासनात्मक कार्रवाई

बहराइच। बहराइच के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में रूपईडीहा थाने के चार पुलिसकर्मियों को एक संदिग्ध तस्कर को छोड़ने एवं भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर को मंगलवार को लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इन पुलिसकर्मियों को देवीपाटन क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के आदेश पर मंगलवार को निलंबित किया गया। बहराइच के पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के कार्यालय के एक प्रेस नोट में कहा गया,''बीती 25 जनवरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था जिसमें रूपईडीहा थाने के चार पुलिस कर्मियों- मुख्य आरक्षी देवेंद्र यादव एवं अभिषेक धर द्विवेदी तथा आरक्षी आशीष सिंह एवं कुलदीप दुबे पर भ्रष्ट आचरण करने

पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करने के साथ प्रकरण की गहराई से जांच पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है।

तथा एक व्यक्ति को पकड़कर छोड़ देने का आरोप लगाया था।'' प्रेस नोट के अनुसार देवीपाटन मंडल के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के निर्देश पर बहराइच के पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी नानपारा से जांच कराई जिससे पता चला कि जिस व्यक्ति को पकड़कर छोड़ने का आरोप लगाया जा रहा है, वह अभी तक सामने नहीं आया है, साक्ष्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है।

प्रेस नोट में गया, ''चूंकि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं एवं देवीपाटन के पुलिस महानिरीक्षक की भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। ऐसे में इन बातों को ध्यान में रखते हुए तथा जांच की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु बहराइज के पुलिस अधीक्षक ने चारों पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। जांच निष्कर्ष के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन हाजिर करने के साथ प्रकरण की गहराई से जांच पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है।

बीते दिनों पश्चिम बंगाल के कोलकाता से एक लड़की के अपहरण के मामले में हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति को रिहा करने के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में 16 जनवरी को तीन पुलिसकर्मियों को गोपनीय जांच के बाद निलंबित कर दिया गया था।

बेकाबू ट्रक से कुचलकर मां और बेटी की मौत

रायबरेली। जनपद में महराजगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को तेज़ रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने पैदल जा रही मां बेटी को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटना की जांच में शुरू कर दी है।

अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने बताया कि सुबह महिला बिटान मौर्या (30) अपनी बेटी अनुष्का(13) को स्कूल छोड़ने के लिए पैदल जा रही थीं। जैसे ही मां बेटी महराजगंज-रायबरेली रोड पर थुलवासा चौकी के पास पहुंचीं तभी सामने से आए एक तेज़ रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मां-बेटी को रौंद दिया और दोनों की मौत हो गई।

टना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

हमने अन्याय को अस्वीकारा और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि हमने अन्याय को अस्वीकार किया है और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे। धार्मिक नगरी संगम से प्रस्थान करते समय आज शब्द साथ नहीं दे रहे, स्वर बोझिल है। प्रयाग की धरती पर यहां पर जो कुछ घटित हुआ, उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। संगम में हम बिना स्नान किये यहां से विदा ले रहे हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज बुधवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम प्रयागराज से जा रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं।

सबकुछ कहा जा चुका है। मंगलवार की शाम और प्रातः काल प्रशासन की ओर से हमारे मुख्य कार्याधिकारी को एक प्रस्ताव भेजा गया। जिसमें कहा गया कि आप जब स्नान के लिए जाना चाहें, मेला प्रशासन ससम्मान स्नान कराने के लिए तैयार है। महाराज ने कहा कि हमें लगा अगर हम स्नान कर लेंगे, पुष्पवर्षा करवा लेंगे तो उस दिन की बात अधूरी रह जाएगी। जो असली मुद्दा है, जिसके लिए दस दिन तक हम फुटपाथ पर बैठे रहे।

लंबा समय दिया लेकिन दस-ग्यारह दिन बीत जाने के बाद जब जाने का निर्णय लिया, तब ऐसा प्रस्ताव सामने आया। हमने स्वीकार नहीं किया। अगर कर लेता तो अपने भक्तों का अपमान होता, हम भारी मन से प्रयागराज से जा रहे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि मुगलों के समय में जो नहीं हुआ, वह आज हो रहा है। एक तरफ गृहमंत्री का बयान आता है कि जो सरकार संतों का अपमान करेगी, वह सत्ता में स्थायी नहीं रह सकती। आज यहां अपमान हुआ, जिसे दुनिया ने देखा। इस दोहरे चरित्र को सनातनी माफ नहीं करेंगे।

पत्रकार वार्ता के दौरान शंकराचार्य ने दो मिनट का मौन रख प्रार्थना की कि अपमान करने वालों को दंड मिले। उन्होंने कहा कि हमारी भौतिक हत्या का प्रयास किया गया। ये हत्या यहां का प्रशासन नहीं, इसके पीछे यूपी शासन है। उन्होंने कहा कि हमने निश्चय किया है कि सनातनी को न्याय दिलाने के लिए सब कुछ करेंगे। संन्यासी के लिए मान-अपमान कुछ नहीं, लेकिन बात अब न्याय-अन्याय से ऊपर उठ गई है। हिन्दू की सरकार की पोल खुल गयी है। यह हिन्दू सरकार नहीं मुगल सरकार है, इसे अब हम भगाने का काम करेंगे।

पुलिस अभिरक्षा से फरार शातिर चोर मुठभेड़ में घायल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुजैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती 15 जनवरी को पुलिस अभिरक्षा से फरार हुए शातिर चोर और पुलिस के बीच मंगलवार देर रात मुठभेड़ हो गई। घटना में शातिर के पैर पर गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शातिर ने एक ज्वेलरी की दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें उसके तीन साथियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि 14 दिसंबर 2025 को गुजैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक ज्वेलरी की दुकान में चोरी की वारदात हुई थी। इस मामले में शामिल चार शातिर चोरों में से तीन को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जबकि चौथा कल्लू उर्फ विशाल फरार चल रहा था। जिसे 15 जनवरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और उसे थाने लेकर आई थी। इसी दौरान वह शौचालय जाने के बहाने ड्यूटी पर तैनात संतरी को धक्का देकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। शातिर के भागने के बाद एसीपी नौबस्ता के निर्देशन पर पुलिस की पुलिस की तीन टीमों का गठन कर आरोपित की तलाश की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि बनपुरवा इलाके में फरार चल रहे शातिर चोर विशाल की मूवमेंट देखी गई है। जिस पर पुलिस सक्रिय हुई और बाइक पर आते हुए शातिर भगोड़े को रोका गया लेकिन उसने पुलिस टीम पर ही फायर कर दिया।

जिसमें पुलिस की ओर से की गई रक्षात्मक कार्रवाई में चोर के पैर पर गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया गया। शातिर चोर बर्रा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। जिस पर पहले से ही चोरी और लूट के पांच मुकदमे दर्ज हैं। बुधवार को उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा जाएगा।

अब किसानों को नहीं लगाने होंगे विभाग के चक्कर, कृषि विभाग ने शुरू की हेल्पलाइन

लखनऊ। योगी सरकार ने किसानों के लिए बड़ी पहल की है। किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी के लिए अब विभाग के चक्कर नहीं लगाने होंगे। उन्हें एक ही फोन पर सारी जानकारी मुहैया होगी। इसके लिए बुधवार को कृषि निदेशालय में कृषि विभाग की हेल्पलाइन शुरू की गई। किसान घर बैठे ही सारी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ बुधवार को कृषि निदेशालय, लखनऊ में कृषि विभाग की हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। इस हेल्पलाइन के जरिए उत्तर प्रदेश के किसान सोमवार से शुक्रवार समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक 0522-2317003 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। शुभारंभ के दौरान सचिव कृषि इंद्रविक्रम सिंह, कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी, अपर निदेशक आशुतोष मिश्र, संयुक्त निदेशक ब्यूरो अखिलेश कुमार सिंह आदि भी उपस्थित रहे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस हेल्पलाइन का उद्देश्य है कि किसानों को योजनाओं की जानकारी के लिए कहीं भटकना या चक्कर न लगाना पड़े।

अपने मोबाइल से फोन करके ही वह विभाग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुदान, योजनाओं, सोलर पंप समेत सभी जानकारी हासिल कर लें। एक डायल पर ही डिजिटल कषि सर्वेक्षण एवं फॉर्मर रजिस्ट्री से संबंधित जानकारी मिलेगी। इसके अलावा सोलर पंप, कृषि यंत्रों पर अनुदान, बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक से संबंधित जानकारी भी प्राप्त होगी। पांच डायल कर किसान कृषि विभाग की योजनाओं से संबंधित जानकारी भी प्राप्त होगी। किसान कृषि उत्पादन संबंधित कृषि निवेशों की जानकारी, लाभपरक योजनाओं, नवीन कृषि यंत्र, शोध एवं प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर कृषि उत्पादन एवं लाभ में वृद्धि कर सकते हैं।

यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज का जोरदार प्रदर्शन

गाजियाबाद। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण वर्ग के लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला है। बुधवार को बड़ी संख्या में गाजियाबाद कलेक्ट्रेट परिसर पर सवर्ण समाज के संगठनों ने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने इन नियमों को काला कानून बताते हुए तीखे नारे लगाए और तत्काल वापसी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे। इस मौके पर पार्षद हिमांशु शर्मा भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि "जब हमारा समाज ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो हम क्या करेंगे। यदि समाज के हित में आवश्यकता पड़ी तो मैं अपना इस्तीफा देने से भी पीछे नहीं हटूंगा। ऐसे 100 पार्षद भी कुर्बान करने पड़ें तो करेंगे। चंद्रशेखर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा की अगर चंद्रशेखर गाजियाबाद में आएंगे तो उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का काम हम करेंगे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

यूपी वॉरियर्स पर जीत से फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है लेकिन वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड (243 रन) की चोट से बड़ा झटका लगा है।

लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, लेकिन उसके बाद मिली दो हार ने निश्चित रूप से उसके अभियान को झटका लगा है। आरसीबी को दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा जब बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसने सात विकेट से हार झेली। इसके बाद आरसीबी को मुंबई इंडियंस के हाथों भी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में एक समय उसका स्कोर पांच विकेट पर 35 रन था लेकिन ऋचा घोष की 90 रन की विस्फोटक पारी ने हार के अंतर को काफी कम कर दिया। मुंबई इंडियंस ने नैट साइवर-ब्रंट के टूर्नामेंट के इतिहास के पहले शतक की बदौलत आरसीबी के सामने 200 रन का लक्ष्य रखा था। इस मैच में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों ने आरसीबी के गेंदबाजों की पोल भी खोल दी। आरसीबी के गेंदबाजों को अब अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा।

उसके गेंदबाजी विभाग में लॉरेन बेल (11 विकेट) पर काफी कुछ निर्भर करेगा, लेकिन उन्हें सायली सतघरे (08) और नादिन डी क्लर्क (11) से भी उचित सहयोग की जरूरत है। वॉरियर्स की टीम अभी सबसे निचले पायदान पर है और उसके लिए अब करो या मरो जैसी स्थिति बन गई है क्योंकि शीर्ष तीन टीम में जगह बनाने के लिए उसे न सिर्फ अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे बल्कि अगर मगर की कठिन डगर से भी गुजरना पड़ेगा। वारियर्स के छह मैचों में दो जीत से चार अंक हैं। यही नहीं उसका नेट रन रेट भी अच्छा नहीं है जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

लिचफील्ड के बाहर हो जाने के बाद उसकी बल्लेबाजी अब बहुत हद तक कप्तान मेग लैनिंग (207) और भारतीय स्टार हरलीन देओल (150) पर निर्भर रहेगी। गेंदबाजी में उसका दारोमदार सोफी एक्लेस्टोन (06 विकेट) और दीप्ति शर्मा (05) की स्पिन जोड़ी पर टिका रहेगा।

यूपी वॉरियर्स ने चोटिल लिचफील्ड की जगह एमी जोन्स को टीम में शामिल

वडोदरा। यूपी वॉरियर्स ने डब्ल्यूपीएल के बाकी बचे मैचों के लिए चोटिल फीबी लिचफील्ड की जगह इंग्लैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स को अपनी टीम में शामिल किया है। टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाली लिचफील्ड चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ गुरुवार को होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले वॉरियर्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लिचफील्ड इस सत्र में छह मैचों में 243 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष तीन बल्लेबाजों में शामिल हैं।जोन्स ने 125 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 1,666 रन बनाए हैं। डब्ल्यूपीएल ने विज्ञप्ति में बताया कि वह 50 लाख रुपये में वॉरियर्स की टीम में शामिल होंगी।

टीम इस प्रकार हैं

- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः** स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, प्रथ्योशा कुमार (विकेटकीपर), जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, ग्रेस हैरिस, गौतमी नाइक, श्रेयंका पाटिल, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, लिन्से स्मिथ, पूजा वस्त्राकर और राधा यादव।
- **यूपी वारियर्सः** मेग लैनिंग (कप्तान), हरलीन देयोल, शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), किरण नवगिरे, एमी जोन्स, प्रतिका रावल, सिमरन शेख, गोंगाडी त्रिशा, डिआंड्रा डॉटिन, चार्ली नॉट, शिखा पांडे, श्वेता सहरावत, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, क्लो ट्रायॉन, सोफी एक्लेस्टोन, क्रांति गौड़ और सुमन मीना।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे

दुबई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों के वर्ग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। भारत ने अभी तक पांच मैच की इस श्रृंखला के पहले तीनों मैच जीते हैं। पूर्व में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मैच में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए जिससे वह रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। तिलक वर्मा चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं। रायपुर में खेले गए दूसरे मैच में 32 गेंदों पर 76 रन बनाने वाले ईशान किशन ने 64वें स्थान पर रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। शिवम दुबे (नौ स्थान ऊपर 58वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (13 स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को भी अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से श्रृंखला जीतने के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान दो पायदान ऊपर चढ़कर 13वें और रहमानुल्लाह तीन पायदान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे दरवेश रसूली 29 पायदान ऊपर चढ़कर 87वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्क्रम वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 47 गेंदों पर खेली गई 86 रन की नाबाद पारी के दम पर शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग (15 स्थान ऊपर 35वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स (18 स्थान ऊपर 44वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान पांच पायदान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह (चार पायदान ऊपर 13वें स्थान पर) और रवि बिश्नोई (13 पायदान ऊपर 19वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश आठ पायदान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 32वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के हार्दिक पंड्या ने तीन मैचों में चार विकेट लेकर गेंदबाजी रैंकिंग में 18 पायदान की छलांग लगाई है और वह 59वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी वह दो पायदान ऊपर चढ़कर 53वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। पंड्या ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वनडे रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक 17 पायदान ऊपर 11वें और जो रूट 23वें से 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

जॉर्ज, मंजूनाथ थाईलैंड मास्टर्स के दूसरे दौर में

नीदरलैंड्स। टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी है। मंगलवार को खेले गए नौवें राउंड में गुकश को जर्मनी के ग्रैंडमास्टर मैथियास ब्लूबाम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सफेद मोहरों से खेल रहे 19 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस मुकाबले में पूरी तरह पिछड़ते नजर आए और यह उनकी पिछले चार मुकाबलों में तीसरी हार रही। इस जीत के साथ ब्लूबाम अपने करियर में पहली बार 2700 रेटिंग क्लब में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनकी लाइव रेटिंग 2695.1 हो गई है और अब वह फिडे कैंडिडेट्स में 2700+ खिलाड़ी के रूप में क्वालिफाई करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। इस बीच, भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने हमवतन अरविंद चितंबरम को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और लंबे समय से चला आ रहा जीत का इंतजार खत्म किया। अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हांस नीमन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला। नौ राउंड के बाद गुकश, एरिगैसी और प्रज्ञानानंद–तीनों के चार-चार अंक हैं, जबकि अरविंद चितंबरम 2.5 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं।

इथियोपिया के धावक ने जीती बलिया मैराथन

बलिया। बाबू मैनेजर सिंह मैराथन प्रतियोगिता इथियोपिया के धावक फिरोनशा के नाम रही। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा आयोजित 42 किलोमीटर की मैराथन का उद्घाटन प्रदेश सरकार के खेल मंत्री गिरीश यादव ने किया। बलिया के वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम से बैरिया स्थित बाबू मैनेजर सिंह स्मारक तक 42 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान इथियोपिया के धावक फिरोनशा ने हासिल किया। जबकि मुजफ्फरपुर के अक्षय कुमार द्वितीय, दिल्ली के अमरेश प्रजापति तृतीय, सतना के अभिषेक सोनी चौथे और मुजफ्फरपुर के आकाश कुमार पांचवें स्थान पर रहे। प्रथम स्थान हासिल करने वाले फिरोनशा को दो लाख 25 हजार का इनाम दिया गया।पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि मैराथन जैसे आयोजन युवाओं में खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करते हैं।

लोरेंजो मुसेटी के हटने से जोकोविच सेमीफाइनल में, रयबाकिना और पेगुला भी अंतिम चार में पहुंचे

मेलबर्न। रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का भाग्य ने साथ दिया और वह बुधवार को यहां लोरेंजो मुसेटी के पहले दो सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में चोट के कारण मैच से हटने से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

मुसेटी ने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे।

जोकोविच ने कहा, ''मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।'' पांचवें गेम में डबल फॉल्ट करने के बाद जोकोविच को ब्रेकप्वाइंट का एक और मौका मिला। मुसेटी ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा, वह नेट की ओर गए और फिर अपना हेडबैंड उतार दिया। उन्होंने जोकोविच से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चले गए। पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी मुसेटी बाएं पैर की चोट के कारण मैच से हट गए थे। तब उन्होंने आखिर में चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज़ से एक सेट जीत लिया था। सेमीफाइनल में जोकोविच का मुकाबला दो बार के मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर और आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। जोकोविच को पिछले दौर में याकूब मेनसिक के चोट के कारण मैच से एक दिन पहले हट जाने से वाकओवर मिला था। इस तरह से पिछले दो मैच में उन्हें लगभग दो सेट में ही खेलने का मौका मिला है। महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया।

महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल एरिना सबालेंका ओर एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में हैं जबकि स्वितोलिना पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। पेगुला को उम्मीद है कि वह पिछले साल यहां कीज के प्रदर्शन को दोहराते हुए ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगी।

भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद दुनिया में तेज वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि दुनिया में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत, विश्व में तेज वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। राष्ट्रपति ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। दुनिया में अनेक प्रकार के संकटों के बावजूद भारत दुनिया की तेज वृद्धि वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में अनुमान से अधिक 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो पिछले डेढ़ साल में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत ने महंगाई दर को कम रखने के अपने रिकॉर्ड को और बेहतर किया है। इसका सीधा फायदा देश के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण देशवासियों की आय बढ़ी है, बचत बढ़ी है और खरीद शक्ति में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक कदम, भारत में विनिर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र को गति देगा। भारत के युवाओं के लिए रोजगार के अनेक नए अवसर खोलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज देश के युवा, किसान, श्रमिक और उद्यमी विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका का लगातार विस्तार कर रहे हैं। बीते वर्ष के आंकड़े इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष में भारत ने रिकॉर्ड 35 करोड़ टन से ज्यादा खाद्यान्न का उत्पादन किया है। इतना ही नहीं 15 करोड़ टन उत्पादन के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश भी बना। ये समुद्री अर्थव्यस्था में देश की सफलता को दिखाता है।''

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं दूध उत्पादन के क्षेत्र में भी, भारत दुनिया के सबसे सफल देश के रूप में पहचाना जाता है। यह सहकारिता आंदोलन की मजबूती का परिणाम है। सुधारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार 'रिफॉर्म्स एक्सप्रेस' के रास्ते पर चल रही है। पुराने नियमों और प्रावधानों को, भविष्य की जरूरतों के हिसाब से निरंतर बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के सुधारों से लोगों को एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई।

जीएसटी में कटौती के बाद बीते वर्ष दो पहिया वाहनों का पंजीकरण, दो करोड़ पार कर गया है। ये अपने आप में नया रिकॉर्ड है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयकर कानून भी अब नए स्वरूप में सामने आया है। 12 लाख रुपये तक की आय पर अब कोई कर नहीं देना होता है। ऐसे सुधारों से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व फायदा हो रहा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।''

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। दुनिया में अनेक प्रकार के संकटों के बावजूद भारत दुनिया की तेज वृद्धि वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

अदाणी-एम्ब्रेयर समझौते में दो वर्ष में 'अच्छी वृद्धि' देखने को मिलेगी: नागर विमानन मंत्री

हैदराबाद। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि अदाणी समूह और ब्राजील की वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर के बीच सहयोग से अगले दो वर्ष में अच्छी वृद्धि होने की उम्मीद है। 'विंग्स इंडिया 2026' में विमानों के प्रदर्शन वाले 'स्टैंड' का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं के साथ बातचीत में उन्होंने साथ ही कहा कि भारत-ईयू व्यापार समझौता भारत द्वारा किया गया सबसे जटिल एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) है।

पूरा समझौता भारत में विनिर्माण परिवेश के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है। मंत्री ने कहा, '' भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मजबूत संबंध हैं। अगले महीने ब्राजील के राष्ट्रपति (लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा) आ रहे हैं और वह हमारे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से भी मुलाकात करेंगे। उनकी उपस्थिति में, वे इस बात पर निर्णय लेंगे कि यह सब कैसे और कब आगे बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन हमें उम्मीद है कि दो साल के भीतर हम इस क्षेत्र में काफी अच्छी प्रगति देख पाएंगे।'' अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की।

इसका मकसद भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना है जो देश की स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। नायडू ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत अगले 10 से 15 वर्ष तक सालाना सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। इससे एक तरह का आत्मविश्वास और संदेश मिलता है कि विनिर्माण क्षेत्र में साझेदारी के लिए भारत सबसे उपयुक्त स्थान बन जाएगा।

अमेजन 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

न्यूयॉर्क। अमेजन करीब 16,000 नौकरियों में कटौती कर रही है। ई-कॉमर्स कंपनी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने बुधवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। यह छंटनी अक्टूबर में हुई छंटनी के बाद हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कार्यरत कर्मचारियों को पहले कंपनी के भीतर नई भूमिका तलाशने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। इसके बाद ही उन्हें कंपनी से अलग होने पर दिए जाने वाला वेतन, 'आउटप्लेसमेंट' सेवाएं तथा स्वास्थ्य बीमा से जुड़े लाभ प्रदान किए जाएंगे।

भारत, दक्षिण एशिया की विमानन कंपनियों को 2044 तक करीब 3,300 नए विमानों की आवश्यकता

हैदराबाद। भारत और दक्षिण एशिया की विमानन कंपनियों को हवाई यातायात की बढ़ती मांग से 2044 तक करीब 3,300 नए विमानों की आवश्यकता होगी। विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि अनुमानित आपूर्ति में से करीब 90 प्रतिशत यानी 2,875 'सिंगल-आइल' विमान यानी एक गलियारा वाले विमान होंगे जबकि चौड़े आकार के विमानों की संख्या 395 होगी।

दक्षिण एशिया के लिए अपने 'वाणिज्यिक बाजार परिदृश्य' (सीएमओ) में बोइंग ने कहा कि अगले दो दशकों में इस क्षेत्र की विमानन कंपनियों को करीब 45,000 पायलट, 45,000 तकनीशियन और चालक दल के 51,000 सदस्यों की आवश्यकता होगी। बोइंग के यूरेशिया एवं भारतीय उपमहाद्वीप के वाणिज्यिक विपणन के प्रबंध निदेशक अश्विन नायडू ने कहा कि भारत एक विकासशील बाजार है और देश में विमानों की संख्या में और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भारत सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है जहां अगले 20 वर्ष में बेड़े की संख्या चार गुना हो जाएगी। नायडू ने शहर में आयोजित चार दिवसीय विमानन शिखर सम्मेलन 'विंग्स इंडिया' 2026 के दौरान इस रिपोर्ट को पेश किया। बोइंग के अनुसार, '' बढ़ते मध्यम वर्ग, आर्थिक वृद्धि तथा हवाई अड्डों एवं संपर्क में निवेश से भारत और दक्षिण एशिया में यात्री हवाई यातायात अगले 20 वर्ष में औसतन सात प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगा।'' रिपोर्ट के अनुसार, हवाई यात्रा की बढ़ती मांग का मतलब है कि विमानन कंपनियों को 2044 तक करीब 3,300 नए विमान की आवश्यकता होगी।

इसमें कहा गया, '' वृद्धि और पुराने विमानों का बदले जाने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारतीय तथा दक्षिण एशियाई क्षेत्र के विमानों का बेड़ा दो दशकों में 795 से चार गुना होकर 2,925 हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि भारत के अंतरराष्ट्रीय यात्री एवं मालवाहक यातायात के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होने के साथ ही भारतीय और दक्षिण एशियाई विमानन कंपनियों के लंबी दूरी के नेटवर्क का विस्तार एवं विविधीकरण करने की उम्मीद है।

इसके अलावा, बोइंग ने कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र के उद्योग में निवेश के लिए विमानन सेवाओं में 195 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की आवश्यकता होगी जिसमें रखरखाव, मरम्मत एवं बदलाव, डिजिटल सेवाएं व प्रशिक्षण शामिल हैं। भारत में उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और ई-कॉमर्स की बढ़ती भूमिका से हवाई मालवाहक बाजार को बढ़ावा मिलेगा। इससे अधिक मालवाहक विमानों की आवश्यकता होगी।

रुपया 11 पैसे टूटकर 91.79 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को शुरुआती बढ़त को गंवा बैठा और अंत में 11 पैसे टूटकर 91.79 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक में गिरावट से मिल रहा समर्थन लगातार विदेशी पूंजी की निकासी से बेअसर हो गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक समझौते से मिली राहत से रुपया मजबूती से खुला था। हालांकि, विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव और वैश्विक स्तर पर जारी तनाव से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.60 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 91.50 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंचा लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई और यह डॉलर के मुकाबले 91.83 के निम्न स्तर पर पहुंच गया। अंत में 91.79 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 22 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.68 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 96.14 पर रहा।

लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी, सेंसेक्स 487 अंक उछला

मुंबई। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था।

वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इसके अलावा इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, एशियन पेंट्स के शेयरों में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा मारुति सुजुकी, सन फार्मा, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने से लगभग दो अरब लोगों का बाजार बनेगा और यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के करीब एक चौथाई हिस्से को कवर करेगा। इस समझौते से यूरोपीय संघ को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क घटेगा, जबकि ईयू से 97 प्रतिशत आयात पर भारत में शुल्क कम होगा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 3,068.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 8,999.71 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी : भूमि पेडनेकर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा, 'समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है। भूमि पेडनेकर ने कहा, ३मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।" 'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं। 21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज़ विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है और इसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। इसके निर्माता विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी हैं। 'दलदल' 30 जनवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया के 240 देशों में रिलीज़ होगी।

बॉर्डर 2 की कमाई पांच दिन में 200 करोड़ पार

सनी देओल और वरुण धवन अभिनीत वॉर-ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' की बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनी हुई है। वीकेंड में शानदार प्रदर्शन के बाद भले ही वर्किंग डेज में कलेक्शन में थोड़ी गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन फिल्म की कमाई अब भी स्थिर और प्रभावशाली बनी हुई है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 200 करोड़ क्लब में अपनी जगह बना ली है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 23.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह आंकड़ा चौथे दिन की 63.59 करोड़ रुपये की कमाई से कम है, लेकिन नॉन-हॉलीडे के हिसाब से इसे अच्छा कलेक्शन माना जा रहा है। इससे पहले फिल्म ने पहले दिन 32.10 करोड़, दूसरे दिन 40.59 करोड़ और तीसरे दिन 57.20 करोड़ रुपये कमाए थे। कुल मिलाकर फिल्म का अब तक का घरेलू कलेक्शन 216.79 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी 'बॉर्डर 2' दर्शकों के दिलों को छू रही है। फिल्म में देशभक्ति, भावनाएं और दमदार एक्शन का संतुलन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रहा है। फिल्म में सनी देओल और वरुण धवन के अलावा दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, आन्या सिंह, मेधा राणा और सोनम बाजवा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

ऋचा चड्ढा नॉन-फिक्शन ट्रैवल और कल्चर सीरीज़ को करेंगी प्रोड्यूस

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा एक नए और रोमांचक प्रोजेक्ट के साथ अपनी क्रिएटिव दुनिया को आगे बढ़ा रही हैं। ऋचा चड्ढा एक नॉन-फिक्शन सीरीज़ को प्रोड्यूस करने जा रही हैं, जो यात्रा, संस्कृति और लोगों एवं जगहों से जुड़ी कहानियों पर आधारित होगी। अपने बेबाक और अर्थपूर्ण कहानी चयन के लिए जानी जाने वाली ऋचा इस सीरीज़ के ज़रिए एक नए क्षेत्र में कदम रख रही हैं, जहां असली अनुभवों और सांस्कृतिक खोज का मेल होगा। यह सीरीज़ बतौर क्रिएटर नॉन-फिक्शन स्पेस में ऋचा चड्ढा की एंट्री को दर्शाती है और एक अभिनेत्री से आगे बढ़कर एक मल्टी-टैलेंटेड फिल्म पर्सनैलिटी के रूप में उनके सफर को और मज़बूत करती है। यह शो भारत की समृद्ध संस्कृति, अलग-अलग समुदायों, परंपराओं और लोगों के जीवन अनुभवों की एक दिलचस्प झलक पेश करेगा, जिसमें ऋचा की गहरी समझ और संवेदनशील नज़र साफ दिखाई देगी। ऋचा हमेशा से मज़बूत और असरदार कहानियों का समर्थन करती रही हैं और वह फिक्शन के साथ-साथ नॉन-फिक्शन में भी नए प्रयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना और पहचान मिली थी, जो उनके ईमानदार और बेबाक स्टोरीटेलिंग के विज़न को दर्शाती है। इस नई सीरीज़ के साथ वह अपने क्रिएटिव दायरे को और आगे बढ़ाना चाहती हैं। ऋचा चड्ढा ने इस नए क्रिएटिव चैप्टर पर बात करते हुए कहा, "मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कहानियां हर जगह होती हैं-लोगों में, जगहों में और उन संस्कृतियों में, जिन्हें हम अक्सर समझने के लिए रुकते ही नहीं। इस नॉन-फिक्शन सीरीज़ के ज़रिए मैं उस दुनिया को जिज्ञासा और संवेदना के साथ देखना चाहती हूं। एक कलाकार के रूप में खुद को लगातार परखना, आगे बढ़ना और नए प्रयोग करना बहुत ज़रूरी है। गर्ल्स विल बी गर्ल्स बतौर निर्माता मेरा पहला कदम था और यह नई सीरीज़ उसी दिशा में एक और रोमांचक छलांग है। मैं यात्रा, विरासत और मानवीय जुड़ाव से जुड़ी सच्ची कहानियों को सामने लाने के लिए उत्साहित हूं। कोविड की दूसरी लहर के दौरान कईंद्री के साथ मैंने इस तरह के कॉन्टेंट का एक छोटा सा अनुभव भी किया था, इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि यह सीरीज़ दुनियाभर के भारतीयों के दिलों को छुएगी।" ऋचा का यह आगामी प्रोजेक्ट अलग-अलग जगहों, इतिहास और अनसुनी कहानियों को सामने लाएगा, जिससे दर्शकों को दुनिया को एक नए नज़रिए से देखने की प्रेरणा मिलेगी। इस सीरीज़ से जुड़ी बाकी जानकारियां, जैसे इसका फॉर्मेट और प्लेटफॉर्म, जल्द ही साझा की जाएंगी।

'एनिमल पार्क' के अगले भाग की शूटिंग 2027 में शुरू होगी, रणबीर कपूर ने की पुष्टि

वाशिंगटन। रणबीर कपूर ने पुष्टि की है कि बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनिमल पार्क' के अगले भाग पर काम चल रहा है, हालांकि दर्शकों को इसकी शूटिंग शुरू होने तक थोड़ा इंतजार करना होगा। अभिनेता ने खुलासा किया कि निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा फिलहाल एक अन्य परियोजना में व्यस्त हैं, और 'एनिमल पार्क' के अगले भाग का निर्माण 2027 से पहले शुरू होने की संभावना नहीं है। डेडलाइन हॉलीवुड से बात करते हुए रणबीर ने फिल्म की समयसीमा के बारे में बताया और कहा, निर्देशक फिलहाल एक और फिल्म बना रहे हैं। हमें उस फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू करनी चाहिए। इसमें अभी थोड़ा समय है। जब उनसे पटकथा की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने आगे कहा, रेड्डी वांगा ने अभी-अभी यह संकेत दिया है कि वह फिल्म को लेकर वास्तव में क्या करना चाहते हैं। वह इसे तीन भागों में बनाना चाहते हैं। दूसरे भाग का नाम एनिमल पार्क है। रणबीर ने 'एनिमल पार्क' के अगले भाग को आकार देने में अपनी रचनात्मक भागीदारी के बारे में बात करते हुए बताया, हम पहली फिल्म से ही विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। वे कहानी को किस तरह आगे बढ़ाना चाहते हैं, इस पर चर्चा हो रही है। यह बहुत रोमांचक है क्योंकि अब मुझे दो किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, खलनायक और नायक। यह एक बेहद रोमांचक प्रोजेक्ट है और निर्देशक भी बेहद मौलिक हैं, और मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी 'एनिमल' 2023 में रिलीज हुयी थी और एक अतिहिंसक एक्शन ड्रामा थी, जिसमें एक पिता और बेटे के बीच के जुनूनी और जटिल रिश्ते को दर्शाया गया था। रणबीर ने बेटे की भूमिका निभाई, जिसके अपने पिता (भूमिका में अनिल कपूर) के साथ उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते ने फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया और फिल्म के अगले भाग की नींव रखी।